

وَمَا أَتَىٰ نَفْسِي ۖ إِنَّ النَّفْسَ لَكَاَرَةٌ بِالسُّوءِ ۖ
إِلَّا مَا رَجِمَ رَبِّي ۖ إِنَّ رَبِّي غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۖ وَقَالَ
الْمَلِكُ اسْتَوْفِي بِهِ اسْتَخْلَصْتُ لِنَفْسِي ۖ فَلَمَّا كَلَمَهُ
قَالَ إِنَّكَ الْيَوْمَ لَدَيْنَا مَكِينٌ أَمِينٌ ۖ قَالَ
اجْعَلْنِي عَلَىٰ خَزَائِنِ الْأَرْضِ ۖ إِنِّي حَفِيظٌ عَلَيْهَا ۖ
وَكَذَلِكَ مَكَّنَّا لِيُوسُفَ فِي الْأَرْضِ ۖ يَتَّبِعُوا مِنْهَا
حَيْثُ يَشَاءُ ۖ نُصِيبُ بِرَحْمَتِنَا مَنْ نَشَاءُ وَلَا نُضِيعُ
أَجْرَ الْبُحْسِنِينَ ۖ وَلَا جُرْ الْأَخْرَجَ خَيْرٌ لِلَّذِينَ
آمَنُوا وَكَانُوا يَتَّقُونَ ۖ وَجَاءَ إِخْوَتَ يُوسُفَ
فَدَخَلُوا عَلَيْهِ فَعَرَفَهُمْ وَهُمْ لَهُ مُنْكَرُونَ ۖ
وَلَمَّا جَهَّزَهُمْ بِجَهَّازِهِمْ قَالَ اسْتَوْفِي بِأَخٍ لَّكُمْ
مِّنْ آبَائِكُمْ ۖ أَلا تَرَوْنَ أَنِّي أُوفِي الْكَيْلَ وَأَنَا
خَيْرُ الْمُنْزِلِينَ ۖ فَإِنْ لَّمْ تَأْتُونِي بِهِ فَلَا كَيْلَ لَكُمْ

عندى

متر

वमो उमररिडि नइसी ट धन्नन नइसा
और मैं अपने नइस को बे-कसूर नहीं बताता, बेशक नइस

ल-अम्मा-रतुम भिरसूध धल्ला मा रहिमा
तो गुराई का भण्डा तुकम देनेवाला है मगर जिसपर

रठनी ट धन्ना रठनी गइरुर रहीम
भेरा रणरुम करे, बेशक भेरा रण भण्डानेवाला भेदरमान है.

व कालल मलिकुर-तूनी भिही
और बादशाह बोला उ-हें मेरे पास ले आओ

अरतप्लिरहु लि-नइसी ट इ-लम्मा
के मैं उ-हें अपने लिये चुन लूं, फिर जब

कल-महू काला धन्नकल यप्मा
उससे बात की कला बेशक आज आप

ल-दय्ना मकीनुन अमीन ○ **कालजअल्नी अला जमाधनिल अरदि ट**
उमारे यहाँ मुअज़्ज़ल मो'तमद हैं. यूसुफ ने कला मुझे जमीन के भजानों पर करदे,

धन्नी हईमुन अलीम ○ **व क्मालिका मक्कन्ना लि-यूसुफा हिल**
बेशक मैं डिफाजत वाला धल्लमवाला हूं. और यूंही उमने यूसुफ को उस मुल्क पर कुदरत भण्शी

अरदि ट य-तभव्वि मिन्हा हय्सु यशाअ ट नुसीनु भि-रह-मतिना
उसमें जहाँ चाहे रहे, उम अपनी रहमत

मन नशावि वला नुदीवि अजरल मुहसिनीन ○ **व ल-अजरुल**
जिसे चाहें पहुंचाओं और उम नेकों का नेग(अज) जायेअ नहीं करते. और बेशक

आभि-रति भयरुल लिद्लमीना आम-नू व कानू यत्तकून ○ **व जआ**
आभिरत का सवाब उनके लिये बेउतर जो ईमान लाये और परहेज़गार रहे. और

धव्वतु यूसुफा इ-द-पलू अ-लयहि इ-अ-र-इहम वहम लहू मुन्किरून ○
यूसुफ के भाई आये तो उसके पास डाजिर हुये तो यूसुफ ने उ-हें पेडयान लिया और वो उससे अन्जान रहे.

व लम्मा जह-ह-महम भि-जहामिहिम कालर-तूनी भि-अपिल लकुम
और जब उनका सामान मुडय्या कर दिया कला अपना सौतेला भाई मेरे पास ले आओ

मिन अलीकुम ट अला त-रपना अन्नी डिहिल कय्ला व अना
क्या नहीं देजते के मैं पूरा मापता हूं और मैं

भयरुल मून्मिलीन ○ **इ-धल्लम तर-तूनी भिही इला कय्ला लकुम**
सबसे बेउतर मेडमान नवाज हूं फिर अगर उसे लेकर मेरे पास न आओ तो तुम्हारे लिये

عِنْدِي وَلَا تَقْرَبُونِ ۝ قَالُوا سَوَادُ عَنْهُ أَبَاهُ
وَإِنَّا لَفَاعِلُونَ ۝ وَقَالَ لِفَتْيَانِهِ اجْعَلُوا بِضَاعَتَهُمْ
فِي رِحَالِهِمْ لَعَلَّهُمْ يَعْرِفُونَهَا إِذَا انْقَلَبُوا
إِلَى أَهْلِهِمْ لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ۝ فَلَمَّا رَجَعُوا
إِلَى أَبِيهِمْ قَالُوا يَا أَبَانَا مُنِيعٌ مِنَّا الْكَيْلُ فَأَرْسَلَ
مَعَنَا أَخَانَا نَكْتَلُ وَإِنَّا لَهُ لَحَفِظُونَ ۝ قَالَ هَلْ
أَمْنُكُمْ عَلَيْهِ إِلَّا كَمَا أَمْنْتُكُمْ عَلَىٰ أَخِيهِ مِنْ قَبْلُ
فَإِنَّهُ خَيْرٌ حِفْظًا ۖ وَهُوَ أَرْحَمُ الرَّاحِمِينَ ۝ وَلَمَّا
فَتَحُوا مَتَاعَهُمْ وَجَدُوا بِضَاعَتَهُمْ رُدَّتْ إِلَيْهِمْ
قَالُوا يَا أَبَانَا مَا نَبْغِي ۖ هَذِهِ بِضَاعَتُنَا رُدَّتْ إِلَيْنَا
وَنَبِيرُ أَهْلَنَا وَنَحْفَظُ أَخَانَا وَنَزْدَادُ كَيْلَ بَعِيرٍ
ذَلِكَ كَيْلُ يَسِيرٍ ۝ قَالَ لَنْ أُرْسِلَهُ مَعَكُمْ حَتَّى
تُؤْتُوا مَوْثِقًا ۖ مِنَ اللَّهِ لَتَأْتُنَّنِي بِهِ إِلَّا أَبُ

يُحَاكِمُكُمْ

مَرْثَل

338

ધન્દી વલા તક-રબૂન ૦ ફાલૂ સ-નુરાવિદુ
મેંરેયહાંમાપ નહીં, ઓર મેરેપાસ નફટકના બોલે હમ
અન્હુ અબાહુ વ ધન્ના લ-ફાઇલૂન ૦
ઉસકી ખ્વાહિશ કરેંગે ઉસકે બાપ સે ઓર હમેં યે ઝરૂર કરના.
વ ફાલા લિ-ફિત્યાનિહિજ-અલૂ
ઓર યૂસુફ ને અપને ગુલામોં સે કહા
બિદા-અ-તહુમ ફી રિહાલિહિમ લઅલ્લહુમ
ઉનકી પૂંજી ઉનકી ખૂરજિયોં મેં રખ દો શાયદ વો
યર-રિફૂ-નહો ધમ્મક-લબૂ ઘલો
ઉસે પેહચાનેં જબ અપને ઘરકી તરફ લોટકર જાએ
અહલિહિમ લ-અલ્લહુમ યરજિઊન ૦
શાયદ વો વાપસ આએ.

ફ-લમ્મા ર-જઉ ઘલો અબીહિમ ફાલૂ યો અબાના મુનિયા મિન્નલ કયલુ
ફિર જબ વો અપને બાપકી તરફ લોટકર ગએ, બોલે અય હમારે બાપ હમસે ગલ્લા રોક દિયા ગયા હે

ફ-અરસિલ મ-અનો અખાના નકતલ વ ધન્ના લહૂ લ-હાફિમૂન ૦
તો હમારે ભાઈ કો હમારે પાસ ભેજ દીજિએ કે ગલ્લા લાએં ઓર હમ ઝરૂર ઉસકી હિફાઝત કરેંગે.

ફાલા હલ આ-મનુકુમ અ-લય્હિ ઘલ્લા કમો અમિન્તુકુમ અલો અખીહિ
કહા કયા ઉસકે બારે મેં તુમંપર વૈસાહી એ'તેબાર કરલૂં જેસા પેહલે ઉસકે ભાઈ કે બારેમેં ક્રિયા થા,

મિન ફલ્લ ૫ ફલ્લાહુ ખયરુન હાફિમ્વ ૫ વહુવા અર-હમુર રાહિમીન ૦
તો અલ્લાહ સબસે બેહતર નિગેહબાન, ઓર વોહર મેહરબાન સે બખ્શકર મેહરબાન.

વ લમ્મા ફ-તહૂ મતા-અહુમ વ-જદૂ બિદા-અ-તહુમ રુદ્દત ઘ-લય્હિમ ૫
ઓર જબ ઉન્હોંને અપના અસબાબ ખોલા અપની પૂંજી પાઈ કે ઉનકો ફેર દી ગઈ હે,

ફાલૂ યો અબાના મા નબગી ૫ હાફિહી બિદા-અતુના રુદ્દત ઘ-લય્ના ૮
બોલે અય હમારે બાપ અબ ઓર કયા ચાહેં યે હે હમારી પૂંજી કે હમેં વાપસ કર દી ગઈ,

વ નમીરુ અહ-લના વ નહ-ફુ અખાના વ નમ્દાહુ કયલા બર્ધર ૫
ઓર હમ અપને ઘર કે લિએ ગલ્લા લાએં ઓર અપને ભાઈ કી હિફાઝત કરેં ઓર એક ઊટ કા બોઝ ઓર ઝિયાદા પાએં,

માલિકા કયલુંય યસીર ૦ ફાલા લન ઉરસિ-લહૂ મ-અકુમ હલ્તા
યે દેના બાદશાહ કે સામને કુછ નહીં. કહા મેં હરગિઝ ઈસે તુમ્હારે સાથ ન ભેજૂંગા

તુર-તૂનિ મવ્સિકમ મિનલ્લાહિ લ-તર-તુન્નની બિહી ઘલ્લો અંય
જબતક તુમ મુઝે અલ્લાહકા યે અહદ ન દેદો કે ઝરૂર ઈસે લેકર આઓગે મગર યે કે

يَحَاطُ بِكُمْ ۖ فَلَمَّا اتَّوَلَّاهُمْ مَوْثِقَهُمْ قَالَ اللَّهُ عَلَى
مَا نَقُولُ وَكِيلٌ ۝ وَقَالَ يَبْنَئِي لَا تَدْخُلُوا
مِنْ بَابٍ وَاحِدٍ وَادْخُلُوا مِنْ أَبْوَابٍ مُتَفَرِّقَةٍ ۖ
وَمَا أُغْنِي عَنْكُمْ مِنَ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۚ إِنَّ الْحُكْمَ إِلَّا
لِلَّهِ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ ۖ وَعَلَيْهِ فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُتَوَكِّلُونَ ۝
وَلَمَّا دَخَلُوا مِنْ حَيْثُ أَمَرَهُمْ أَبُوهُمْ ۖ مَا كَانَ
يُغْنِي عَنْهُمْ مِنَ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ إِلَّا حَاجَةً فِي
نَفْسِ يَعْقُوبَ قَضَاهَا ۖ وَإِنَّهُ لَذُو عِلْمٍ لَمَّا عَلِمَهَا
ۖ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۝ وَلَمَّا دَخَلُوا
عَلَى يُوسُفَ أَوَّى إِلَيْهِ أَخَاهُ قَالَ إِنِّي أَنَا
أَخُوكَ فَلَا تَبْتَسِمْ بِنَا كَمَا كُنَّا يَعْمَلُونَ ۝
فَلَمَّا جَهَّزَهُمْ بِجَهَازِهِمْ جَعَلَ السَّقَايَةَ فِي
رَحْلِ أَخِيهِ ثُمَّ أَذَّنَ مُؤَذِّنٌ أَتَتْهَا الْعِيرُ ۖ إِنَّكُمْ

لَسِرِّيُونَ

مَثَلُ

339

युहाता निकुम ट इ-लम्मा आतवहु
तुम धिर जाओ, फिर जब उ-होंने

मवसि-कुम काललाहु अला मा
या'कूब को अहद दे दिया कहा अल्लाहका जिम्मा है उन
नकूलु वकील ० व काला या अनिया ला
भातों पर जोरमके रहें. और कहा अय मेरे भेटे

तदपुलू मिम जाविप् वाहिदिप्
अक दरवाजे से न दाखिल होना

वदपुलू मिन अज्वाजिम मु-तदरिह ८
और जुदा जुदा दरवाजों से जाना

वमो उनी अन्कुम मिनल्लाहि
मैं तुम्हें अल्लाहसे बताया नहीं सकता,

मिन शैम् ८ धनिल हुकुम धल्ला लिल्लाह ८ अ-लयहि तपक-कल्लु ट
हुकुम तो सब अल्लाह ही का है, मैंने उसीपर भरोसा किया

व अ-लयहि इल य-तपक-कलिल मु-तपकिलून ० व लम्मा द-जलू
और भरोसा करने वालोंको उसीपर भरोसा याहिअे. और जब वो दाखिल हुअे

मिन हय्सु अ-म-रहुम अज्जुम ८ मा काना युनी अन्हुम मिनल्लाहि
जहांसे उनके बापने हुकुम दिया था, वो कुछ उ-हें अल्लाहसे बताया न सकता

मिन शय्धन धल्ला हा-जतन ही नहसि यर-कूजा कदाहा ८ व धन्नह
हां या'कूब के जो की अक ज्वाहिश थी जो उसने पूरी करली, और बेशक वो

ल-जू धल्लिल लिमा अल्लम्नाहु व लाकिन्ना अक-सरन नासि ला
साहिबे इल्म है हमारे सिभाअे से मगर अकसर लोग नहीं

यर-लमून ८ व लम्मा द-जलू अला यूसुफ आवो ध-लयहि अज्जुहु काला
जानते. और जब वो यूसुफ के पास गअे उसने अपने भाई को अपने पास जगह दी कहा

धन्नी अना अजूका इला तदतधस जिमा कानू यर-मलून ० इ-लम्मा
यकीन जान मैंही तेरा भाई हूं तो ये जो कुछ करते हैं इसका गम न जा. फिर जब

जह-ह-महुम जि-जहाजिहिम ज-अलस सिफा-यता ही रहलि
उनका सामान मुहय्या कर दिया प्याला अपने भाई के कजवे में रख दिया

अजीहि सुम्मा अज्-मना मुअज्जिनुन अय्यतुहल धरु धन्नकुम
फिर अक मुनादी ने निदा की अय काझिले वालो ! बेशक तुम

لَسْرِقُونَ ۖ قَالُوا وَقَالُوا عَلَيْهِمْ مَاذَا تَفْقَهُوْنَ
 قَالُوا تَفْقَهُوْا صَوَاعِ الْمَلِكِ وَلِمَنْ جَاءَ بِهِ حِمْلُ
 بَعِيرٍ وَأَنَا بِهِ زَعِيمٌ ۖ قَالُوا تَاللّٰهِ لَقَدْ عَلِمْتُمْ مَا
 جِئْنَا لِنَفْسِدَ فِي الْأَرْضِ وَمَا كُنَّا سَارِقِينَ ۖ قَالُوا
 فَمَا جَزَاؤُهُ ۖ إِنْ كُنْتُمْ كَاذِبِينَ ۖ قَالُوا جَزَاؤُهُ
 مَنْ وُجِدَ فِي رَحْلِهِ فَهُوَ جَزَاؤُهُ ۖ كَذٰلِكَ
 نَجْزِي الظَّالِمِينَ ۖ فَبَدَا بَاوُعَيْتِهِمْ قَبْلِ وِعَا
 أَخِيهِ ثُمَّ اسْتَخْرَجَهَا مِنْ وِعَا أَخِيهِ ۖ كَذٰلِكَ
 كِدْنَا لِيُوسُفَ ۖ مَا كَانَ لِيَآخُذَ أَخَاهُ فِي دِينِ
 الْمَلِكِ إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللّٰهُ ۖ رَفَعْنَا دَرَجَتِهِ مِنْ تَشَاءٍ
 وَفَوْقَ كُلِّ ذِي عِلْمٍ عَلِيمٌ ۖ قَالُوا إِنْ يَسْرِقْ
 فَقَدْ سَرَقَ أَخٌ لَّهُ مِنْ قَبْلُ ۖ فَاسْرَحْهَا يُوسُفَ
 فِي نَفْسِهِ ۖ وَلَمْ يُبْدِهَا لَهُمْ ۖ قَالَ أَنْتُمْ شَرُّ

مَكَانًا

مَثَلًا

340

ल-सारिकून ○ कावू व अकबलू
 थोर डो. बोले और उसकी तरफ़ मुतवज्जह हो

अ-लयहिम माग़ा तहकिदून ○
 तुम क्या नहीं पाते.

कावू नहकिदु सुवाअल मलिकि व लि-मन
 बोले बादशाह का पैमाना नहीं मिलता और जो

जाया जिही हिम्बु जयहिं व अना
 उसे लायेगा उसके लिये अक़ ठीक का भोज है और मैं

जिही जयम ○ कावू तल्लाहि ल-कद
 इसका जामिन हूँ. बोले भुटाकी कसम

अलिम्तुम मा जिर-ना लि-नुहसिदा
 तुम्हें भूष मा'लूम है के हम जमीनमें इसाद करने

हिल अरदि वमा कुन्ना सारिकीन ○ कावू इमा जमाउहू धन
 न आये और न हम थोर हैं. बोले फिर क्या सजा है उसकी अगर

कुन्तुम कामिमीन ○ कावू जमाउहू मंप् पुजिदा ही रहलिही इ-हुवा
 तुम मूटे हो. बोले उसकी सजा ये है के जिसके असबाब में मिले वही

जमाउह ७ कमालिका नजिम्म् मालिमीन ○ इ-ज-दया
 उसके बदले में गुलाम बने. हमारे यहां जालिमोंकी यही सजा है. तो अव्वल

जि-अव्ध-यतिहिम इ-ल्ला विअाध अजीहि सुम्मरतप्-जहा
 उनकी भुरजियों से तलाशी शुरू की अपने भाई की भुरज से पेडले फिर उसे

मिंप् विअाध अजीह ७ कमालिका किदना लि-यूसुफ ७ मा काना
 अपने भाई की भुरज से निकाल लिया हमने यूसुफ को यही तदबीर बताई, बादशाही कानूनमें

लि-यर्-भुग़ा अजाहु ही दीनिल मलिकि धल्लो अंय यशाअल्लाह ७
 उसे नहीं पहुँचता था के अपने भाई को लेले मगर ये के भुटा याहे,

नर-इउ द-रजलिम मन नशाय् ७ व इप्फ़ा कुल्लि मी धल्मिन अलीम ○
 हम जिसे याहें दरजो बुलन्द करें, और हर धल्म वाले से उपर अक़ धल्म वाला है.

कावू धंय यस्सिफ़ इ-कद स-रका अजुल लहू मिन इ-ल्ला ७ इ-असर-रहा
 भाई बोले अगर ये थोरी करे तो बेशक इससे पेडले इसका भाई थोरी कर चुका है तो

यूसुफ़ ही नहसिही व लम युज्दिहा लहुम ७ काला अन्तुम शरुम
 यूसुफ़ ने ये बात अपने दिलमें रक्खी और उनपर जाहिर न की, जो में कछा तुम बदतर जगह हो,

مَكَانًا ۖ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا تَصِفُونَ ۖ قَالُوا يَا أَيُّهَا
الْعَزِيزُ إِنَّ لَكَ أَبًا شَيْخًا كَبِيرًا ۖ فَخُذْ أَحَدًا
مَكَانَهُ ۚ إِنَّا نَنْزِلُكَ مِنَ الْمُحْسِنِينَ ۖ قَالَ مَعَاذَ
اللَّهِ أَنْ تَأْخُذَ إِلَّا مَنْ وَجَدْنَا مَتَاعَنَا عِنْدَهُ
إِنَّ إِذَا الظَّالِمُونَ ۖ فَلَمَّا اسْتَيْسُوا مِنْهُ خَلَصُوا
نَجِيًّا ۖ قَالَ كَبِيرُهُمْ أَلَمْ تَعْلَمُوا أَنَّ أَبَاكُمْ
قَدْ أَخَذَ عَلَيْكُمْ مَوَثِقًا مِنَ اللَّهِ ۖ وَمِنْ قَبْلُ مَا
فَرَطْتُمْ فِي يُونُسَ ۖ فَكُنْ أَبْرَحَ الْأَرْضِ حَتَّى
يَأْذَنَ لِي ۖ إِنِّي أَوْحِيَكُمْ اللَّهُ لِي ۖ وَهُوَ خَيْرُ
الْحَاكِمِينَ ۖ إِرْجِعُوا إِلَىٰ آبَائِكُمْ فَقُولُوا يَا أَبَانَا
إِنَّ ابْنَكَ سَرَقَ ۖ وَمَا شَهِدْنَا إِلَّا بِمَا عَلَّمَنَا
وَمَا كُنَّا لِلْغَيْبِ حَفِظِينَ ۖ وَسُئِلَ الْقَرْيَةُ الَّتِي
كُنَّا فِيهَا وَالْعَذِيرَ الَّتِي أَقْبَلْنَا فِيهَا ۖ وَإِنَّا

تَصَدَّقُونَ

سورة

311

મકાના ૮ વલ્લાહુ અર-લમુ બિમા

और अल्लाह ખૂબ જાનતા છે જો બાતે

તસિફૂન ૦ કાલૂ યો અય્યુહલ અમીમુ

બનાતે હો. બોલે અય અમીમ !

ઇન્ના લહૂ અબન શયખન કબીરન

ઇસકે એક બાપ હેં બૂળહે બળે

ફ-ખુમ અ-હ-દના મકાનહ ૮

તો હમમેં ઇસકી જગહ કિસીકો લેલો

ઇન્ના નરાકા મિનલ મુહસિનીન ૦

બેશક હમ તુમહારે એહસાન દેખ રહે હેં.

કાલા મઆમ્લાહિ અન નર-ખુમ્

કહા ખુદાકી પનાહ કે હમ લેં

ઇલ્લા મંવ વ-જદના મતા-અના ઇન્દહૂ ૪ ઇન્નો ઇમ્લ

મગર ઉસીકો જિસકે પાસ હમારા માલ મિલા, જબ તો હમ

લ-ઝાલિમૂન ૦ ફ-લમ્મરતય-અસૂ મિન્હુ ખ-લસૂ નજિરયા ૫

ઝાલિમ હોંગે. ફિર જબ ઉસસે નાઉમ્મીદ હુએ અલગ જાકર સરગોશી કરને લગે

કાલા કબીરુહુમ અ-લમ તર-લમૂ અન્ના અબાકુમ કદ અ-ખમ્

ઉનકા બળા ભાઈ બોલા કયા તુમહેં ખબર નહીં કે તુમહારે બાપને

અલય્કુમ મવ્સિકમ મિનલ્લાહિ વ મિન કબ્લુ મા ફરરત્તુમ ફી યૂસુફ ૮

તુમસે અલ્લાહકા અહદ લે લિયા થા ઓર ઇસસે પેહલે યૂસુફ કે હક મેં તુમને કેસી તકસીર કી,

ફ-લન અબરહલ અર્દા હત્તા યર-મ્ના લો અબો અવ્ યહ્કુમલ્લાહુ લી ૮

તો મેં યહાં સે ન ટલૂંગા યહાં તક કે મેરે બાપ ઇજાઝત દેં યા અલ્લાહ મુઝે હુકમ ફરમાએ,

વહુવા ખયરુલ હાકિમીન ૦ ઇરજિઊ ઇલો અબીકુમ ફ-ફૂલૂ યો

और उसका हुकम सबसे बेहतर. अपने बापके पास लौटकर जाओ फिर अर्ज करो કે अय

અબાનો ઇન્નબનકા સ-રફ ૮ વમા શહિદનો ઇલ્લા બિમા અલિમ્ના

હમારે બાપ બેશક આપકે બેટે ને ચોરી કી ઓર હમ તો ઉતની હી બાત કે ગવાહ હુએ થે જિતની હમારે

વમા ફુન્ના લિલ ગય્બિ હાફિમીન ૦ વસ્અલિલ ફરયતલ લતી

ઇલ્મ મેં થી ઓર હમ ગેબ કે નિગહબાન ન થે. ઓર ઉસ બસ્તી સે પૂછ દેખિએ

ફુન્ના ફીહા વલ ઇરલ લતો અફબલ્ના ફીહા ૫ વ ઇન્ના

જિસમેં હમ થે ઓર ઉસ કાફિલે સે જિસમેં હમ આએ, ઓર હમ બેશક

لَصِدْقُونَ ۝ قَالَ بَلْ سَوَّلَتْ لَكُمْ أَنْفُسُكُمْ أَمْرًا ۝
فَصَبِّرْ جَمِيلٌ ۝ عَسَى اللَّهُ أَنْ يَأْتِيَنِي بِهِمْ جَمِيعًا ۝
إِنَّهُ هُوَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ۝ وَتَوَلَّى عَنْهُمْ وَقَالَ
يَا سَفِي عَلَى يُوسُفَ وَأَبِصْرَتْ عَيْنُهُ مِنَ الْخُرْنِ
فَهُوَ كَظِيمٌ ۝ قَالُوا تَاللَّهِ تَفْتَوْا تَذْكُرُ يُونُسَ
حَتَّى تَكُونَ حَرَضًا أَوْ تَكُونَ مِنَ الْهَالِكِينَ ۝
قَالَ إِنَّمَا أَشْكُوا بَثِّي وَخُزْنِي إِلَى اللَّهِ وَأَعْلَمُ مِنَ
اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ۝ يَبْنِي إِذْ هَبُوا فَيَحْسَبُونَ أَنَّ
يُونُسَ وَمَوْجِيهِ ۝ وَلَا تَأْيِسُوا مِنْ رَوْحِ اللَّهِ إِنَّهُ
لَا يَأْيِسُ مِنْ رَوْحِ اللَّهِ إِلَّا الْقَوْمُ الْكَافِرُونَ ۝ فَلَمَّا
دَخَلُوا عَلَيْهِ قَالُوا يَا أَيُّهَا الْعَزِيزُ مَسَّنَا وَأَهْلَكْنَا
الضَّرُّ وَجِئْنَا بِضَاعَةٍ مُرْجُومَةٍ فَأَوْفِ لَنَا الْكَيْلَ
وَتَصَدَّقْ عَلَيْنَا ۝ إِنَّ اللَّهَ يَجْزِي الْمُتَصَدِّقِينَ ۝

قَالَ هَلْ

مَنْ

342

લ-સાદિકૂન ○ ફાલા બલ સવ્વલત લકુમ
સચ્ચે છે. કહા તુમ્હારે નફસ ને તુમ્હે

અન્ફુસુકુમ અમ્મા ૫ ફ-સબુન જમીલ ૫
કુછ હીલા બના દિયા, તો અચ્છા સબ્ર છે,

અસલાહુ અન્થ્ યર-તિ-યની બિહિમ
કરીબ છે કે અલાહ ઉન સબકો મુઝસે લા મિલાએ,

જમીઆ ૫ ઇન્નહૂ હુવલ અલીમુલ
બેશક વહી ઇલ્મો

હકીમ ○ વ તવલા અન્હુમ વ ફાલા
હિક્મતવાલા છે. ઓર ઉનસે મુંહ ફેરા ઓર કહા

યો અ-સફા અલા યૂસુફ વબ્ચદ્દત
હાય અફસોસ યૂસુફ કી જુદાઈ પર ઓર

અયનાહુ મિનલ હુમ્નિ ફ-હુવા કમીમ ○ ફાલૂ તલાહિ તફ-તઉ
ઉસકી આંખે ગમ સે સફેદ હો ગઈ વો ગુસ્સા ખાતા રહા. બોલે ખુદા કી કસમ આપ હમેશા

તમ્ફુરુ યૂસુફ હલ્લા તફૂના હ-ર-દન અવ્ તફૂના મિનલ હાલિકીન ○
યૂસુફ કી યાદ કરતે રહેંગે યહાં તક કે ગોર કિનારે જા લગેં યા જાન સે ગુઝર જાએ.

ફાલા ઇન્નમો અશફૂ બસ્સી વ હુમ્નો ઇલલાહિ વ અર-લમુ મિનલાહિ
કહા મેં તો અપની પરેશાની ઓર ગમ કી ફરિયાદ અલાહ હી સે કરતા હૂં ઓર મુઝે અલાહકી વો શાને

મા લા તર-લમૂન ○ યા બનિયમ્-હબૂ ફ-ત-હસ્સસૂ મિન્થ્ યૂસુફ
મા'લૂમ હેં જો તુમ નહીં જાનતે. અય બેટો જાઓ યૂસુફ ઓર ઉસકે ભાઈ કા સુરાગ લગાઓ

વ અખીહિ વલા તય્-અસૂ મિર રવ્હિલાહ ૫ ઇન્નહૂ લા યય્-અસુ
ઓર અલાહકી રહમત સે માયૂસ ન હો, બેશક અલાહકી રહમત સે નાઉમ્મીદ નહીં હોતે

મિર રવ્હિલાહિ ઇલલ ફપ્મુલ ફાફિરૂન ○ ફ-લમ્મા દ-ખલૂ
મગર ફાફિર લોગ. ફિર જબ વો યૂસુફ કે પાસ પહુંચે

અ-લય્હિ ફાલૂ યો અયુહલ અમીમુ મસ્સના વ અહ-લનદ દુરુ
બોલે અય અઝીઝ હમેં ઓર હમારે ઘરવાલોં કો મુસીબત પહુંચી

વ જિર-ના બિ-બિદા-અતિમ મુમ્જાતિન ફ-અવ્ફિ લનલ ફય્લા
ઓર હમ બે-કદર પૂંજી લેકર આએ હેં તો આપ હમેં પૂરા નાપ દીજીએ

વ તસદ્-દફ અ-લય્ના ૫ ઇન્નલાહા યજિમલ મુ-તસદ્દિફીન ○
ઓર હમપર ખૈરાત કીજીએ બેશક અલાહ ખૈરાત વાલોં કો સિલા દેતા છે.

قَالَ هَلْ عَلِمْتُمْ مَا فَعَلْتُمْ بِيُوسُفَ وَأَخِيهِ إِذْ أَنْتُمْ
جَاهِلُونَ ۝ قَالُوا إِنَّكَ لَآتَى يُوسُفَ ۝ قَالَ أَنَا
يُوسُفُ وَهَذَا أَخِي ۝ قَدْ مَنَّ اللَّهُ عَلَيْنَا ۝ إِنَّهُ مَن
يَتَّقِ وَيَصْبِرْ فَإِنَّ اللَّهَ لَا يُضِيعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ۝
قَالُوا تَاللَّهِ لَقَدْ أَتَرَكْنَا اللَّهَ عَلَيْنَا وَإِنْ كُنَّا لَخَاطِئِينَ ۝
قَالَ لَا تَتْرِبَ عَلَيْكُمُ الْيَوْمَ يَعْفِرُ اللَّهُ لَكُمْ ۝
وَهُوَ أَرْحَمُ الرَّاحِمِينَ ۝ إِذْ هَبُوا بَقِيصَ هَذَا
قَالُوا عَلَى وَجْهِ أَبِي يَأْتِ بَصِيرًا ۝ وَأَتَوْهُ بِأَهْلِكُمْ
أَجْمَعِينَ ۝ وَلَمَّا فَصَلَتِ الْعِيرُ قَالَ أَبُوهُمْ
إِنِّي لَأَجِدُ رِيحَ يُوسُفَ لَوْلَا أَنْ تَفْقَهُونَ ۝
قَالُوا تَاللَّهِ إِنَّكَ لَفِي ضَلَالِكَ الْقَدِيمِ ۝ فَلَمَّا أَنْ
جَاءَ الْبَشِيرُ أَلْقَاهُ عَلَى وَجْهِهِ فَارْتَدَّ بَصِيرًا ۝
قَالَ أَلَمْ أَقُلْ لَكُمْ ۝ إِنِّي آتِكُمْ مِنَ اللَّهِ مَالًا

تَقْلَمُونَ

مَنْزِلَ

343

काला हल अलिम्तुम मा इ-अलुम
बोले कुछ ખબર હૈ तुमने
जि-यूसुफ। व अभीहि धर अन्तुम
यूसुफ और उसके भाई के साथ क्या किया था जब तुम
जहिलून ० कालू अ-धन्नका ल-अन्ता
नादान थे. बोले क्या सयमुय आपही
यूसुफ ७ काला अना यूसुफ व हाज़ा
यूसुफ हें कछा में यूसुफ हूं और ये
अभी ७ कद मन्नलाहु अ-लयना ७
मेरा भाई, बेशक अल्लाहने हमपर ओहसान किया,
धन्नहू मंय यत्तकि व यज़िअर
बेशक जो परहेजगारी और सध्र करे

इ-धन्नलाहा ला युदीछि अजरल मुहसिनीन ० कालू तल्लाहि ल-कद
तो अल्लाह नेकोंका नेग (अज) जायेअ नहीं करता. बोले भुदाकी कसम बेशक

आ-स-रकलाहु अ-लयना व धन कुन्ना ल-जातिर्धन ० काला ला
अल्लाहने आपको हमपर इजीलत दी और बेशक हम भतावार थे. कछा

तसरीभा अ-लयकुमुल योम ७ यज़िुरुलाहु लकुम ७ वहुवा अर-हमुर
आज तुमपर कुछ मलामत नहीं अल्लाह तुम्हें मुआफ़ करे और वो सब मेहरबानों से बण्डकर

राहिमीन ० धर-हमू जि-कमीसी हाज़ा इ-अल्हू अला वजहि अभी
मेहरबान है. मेरा ये कुरता ले जाओ इसे मेरे बापके मुंड पर डालो

यर-ति जसीरा ८ वर-तूनी जि-अहलिकुम अजमर्धन ० व लम्मा
उनकी आंभें भुल जाओगी, और अपने सब घरभर को मेरे पास ले आओ. जब

इ-स-लतिल धरु काला अबूहम धन्नी ल-अजिदु रीहा यूसुफ। लप्ला
काकिला मिसर से जुदा हुवा यहां उनके बापने कछा बेशक मैं यूसुफ की भुशबू पाता हूं अगर मुझे ये न

अन तुहन्निहून ० कालू तल्लाहि धन्नका ल-ही दलालिकल इदीम ०
कछो के सठ गया है. बेटे बोले भुदा की कसम आप अपनी उसी पुरानी भुद रकतगी में हें.

इ-लम्मा अन जअल जशीरु अल्हाहु अला वजिहही इरतद्-दा
किर जब भुशी सुनानेवाला आया उसने वो कुरता या'कूब के मुंड पर डाला उसी वक्त उसकी आंभें

जसीरा ८ काला अलम अकुल लकुम ८ धन्नी अर-लमु मिनल्लाहि माला
किर आई, कछा में न केडता था के मुझे अल्लाहकी वो शानें मा'लूम हें जो

تَعْمَلُونَ ۝ قَالُوا يَا أَبَانَا اسْتَغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا إِنَّا كُنَّا
 خَاطِئِينَ ۝ قَالَ سَوْفَ أَسْتَغْفِرُ لَكُمْ رَبِّي ۖ إِنَّهُ هُوَ
 الْغَفُورُ الرَّحِيمُ ۝ فَلَمَّا دَخَلُوا عَلَى يُوسُفَ أَوَى
 إِلَيْهِ أَبَوَيْهِ وَقَالَ ادْخُلُوا مِصْرَ إِن شَاءَ اللَّهُ
 آمِنِينَ ۝ وَرَفَعَ أَبَوَيْهِ عَلَى الْعَرْشِ وَخَرُّوا لَهُ
 سُجَّدًا ۖ وَقَالَ يَا بَنِي هَذَا تَأْوِيلُ رُءْيَايَ مِنْ
 قَبْلُ ۖ فَقَدْ جَعَلَهَا رَبِّي حَقًّا ۖ وَقَدْ أَحْسَنَ بِي إِذْ
 أَخْرَجَنِي مِنَ السِّجْنِ وَجَاءَ بِكُمْ مِنَ الْبَدْوِ مِنْ
 بَعْدِ أَنْ تَرَجَّعَ الشَّيْطَانُ بَيْنِي وَبَيْنَ إِخْوَتِي ۖ إِنَّ
 رَبِّي لَطِيفٌ لِمَا يَشَاءُ ۖ إِنَّهُ هُوَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ۝
 رَبِّ قَدْ آتَيْتَنِي مِنَ الْمُلْكِ وَعَلَّمْتَنِي مِنْ
 تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ ۖ فَاطِرَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ إِنَّكَ
 أَنْتَ وَلِيَّ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۖ تَوَفَّنِي مُسْلِمًا
 وَأَلْحِقْنِي بِالْصَّالِحِينَ ۝

मिस्र धन शौअल्लाहु आमिनीन ० व र-इआ अ-अ-वय्हि अलल
 मिस्र में दाखिल हो अल्लाह याहे तो अमान के साथ. और अपने मां बापको तप्त पर बिठाया

अरशि व अरू लहू सुज्जदा ८ व काला यो अ-अति हागा तर-वीलु
 और सब उसके लिये सज्दे में गिरे और यूसुफ ने कछा अय मेरे बाप ये

रु-याया मिन कुलु १ कुद ज-अ-लहा रब्बी हक्का ७ व कुद अह-सना
 मेरे पेड़ले ज्वाबकी ता'बीर है, बेशक उसे मेरे रब ने सच्चा किया, और बेशक उसने मुझपर ओहसान

बी धम अफर-जनी मिनस सिजिन व जआ भिकुम मिनल जदवि
 किया के मुझे कैद से निकाला और आप सबको गांवसे ले आया

मिम अर-दि अन न-अ-गश शय्तानु जयनी व जयना धव्वती ७
 बाद इसके के शैतान ने मुझमें और मेरे भाईयोंमें नायाकी करा दी थी,

धन्ना रब्बी लतीकुल लिमा यशौय् ७ धन्नहू हुपल अलीमुल
 बेशक मेरा रब जिस बातको चाहे आसान करदे, बेशक वही ईलमो

हकीम ० रब्बि कुद आतय्-तनी मिनल मुल्कि व अल्लमतनी
 हिकमत वाला है. अय मेरे रब बेशक तूने मुझे अक सल्तनत दी और मुझे

मिन तर-वीलिल अहादीस ८ इतिरस समावाति वल अर्द
 कुछ बातोंका अन्जाम निकालना सिखाया अय आसमानों और जमीन के बनानेवाले

अन्ता वलिय्यी इद दुन्या वल आपिरह ८ तवइ-इनी मुस्लिमं
 तू मेरा काम बनानेवाला है दुनिया और आपिरत में, मुझे मुसलमान उठा

وَالْجَفْنِي بِالصَّالِحِينَ ۝ ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْغَيْبِ
نُوحِيهِ إِلَيْكَ ۝ وَمَا كُنْتَ لَدَيْهِمْ إِذْ أَجْمَعُوا أَمْرَهُمْ
وَهُمْ يَمْكُرُونَ ۝ وَمَا أَكْثَرَ النَّاسِ وَلَوْ حَرَصْتَ
بِمُؤْمِنِينَ ۝ وَمَا تَسْأَلُهُمْ عَلَيْهِ مِنْ أَجْرٍ ۚ إِنْ
هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ ۝ وَكَأَيِّنْ مِنْ آيَةٍ فِي
السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ يَسُرُّونَ عَلَيْهَا وَهُمْ عَنْهَا
مُعْرِضُونَ ۝ وَمَا يُؤْمِنُ أَكْثَرُهُمْ بِاللَّهِ إِلَّا وَهُمْ
مُشْرِكُونَ ۝ أَفَأَمْنُوا أَنْ تَأْتِيَهُمْ غَاشِيَةٌ مِنْ
عَذَابِ اللَّهِ أَوْ تَأْتِيَهُمُ السَّاعَةُ بَغْتَةً وَهُمْ
لَا يَشْعُرُونَ ۝ قُلْ هَذِهِ سَبِيلِي ۖ أَدْعُو إِلَى اللَّهِ
عَلَى بَصِيرَةٍ ۖ أَنَا وَمَنِ اتَّبَعَنِي ۖ وَسُبْحَانَ اللَّهِ وَمَا
أَنَا مِنَ الْمُشْرِكِينَ ۝ وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ إِلَّا
رِجَالًا نُوْحِي إِلَيْهِمْ مِنْ أَهْلِ الْقُرَى ۖ أَفَلَمْ يَسِيرُوا

فِي الْأَرْضِ

مَرَل

۳۴۵

व अल्लिहनी जिस सालिहीन ०
और उनसे मिला जो तेरे कुरबे पास के लाईक हैं.

मालिका मिन अम्मायल गय्मि नूहीहि
ये कुछ गैबकी जबरें हैं जो हम तुम्हारी तरफ वही करते हैं

धलैक ८ वमा कुन्ता ल-दय्हिम धम
और तुम उनके पास न थे जब

अजमठो अम्हम व हम यम्हूरून ०
उन्होंने अपना काम पक्का किया था और वो दांव चल रहे थे

वमो अकसरुन नासि व लप् हरस्ता
और अकसर आदमी तुम कितना ही थाओ

जि-मुर-मिनीन ० वमा तरअलुहम
ईमान न लाओगे. और तुम इसपर उनसे

अलय्हि मिन अजर ७ धन हुवा धल्ला मिक्नुल लिल आ-लमीन ०
कुछ उजरत नहीं मांगते ये तो नहीं मगर सारे जहान को नसीहत.

व क-अय्थिम मिन आ-यतिन इस समावाति वल अरहि यमुर्रून
और कितनी निशानियां हैं आसमानों और जमीन में के अकसर लोग उनपर गुजरते हैं

अ-लय्हा व हम अन्हा मुर-रिहून ० वमा युर-मिनु अक-सरुहम
और उनसे जे-जबर रहेते हैं. और उनमें अकसर वो हैं

जिल्लाहि धल्ला वहम मुश्किहून ० अ-इ-अमिनु अन तर-ति-यहम
के अल्लाह पर यकीन नहीं लाते मगर शिर्क करते छुओ. क्या उससे निडर हो बैठे के

गाशि-यतुम मिन अज्जिल्लाहि अप् तर-ति-यहमुस सा-अतु
अल्लाहका अजाब उन्हें आकर घेर ले या क्यामत उनपर अचानक आ जाओ

अततंप् वहम ला यशिरून ० कुल हाजिही सजीलो अद्ओ धल्लाह
और उन्हें जबर न हो. तुम इरमाओ ये मेरी राह है मैं अल्लाहकी तरफ बुलाता हूं

अला असी-रतिन अना व मनित त-अ-अनी ७ व सुब्हानल्लाहि
मैं और जो मेरे कदमों पर चलें दिल् की आंखें रफते हैं, और अल्लाहको पाकी है

वमो अना मिनल मुश्किनीन ० वमो अरसल्ला मिन कल्लिक
और मैं शिर्क करनेवाला नहीं. और हमने तुमसे पेहले

धल्ला रिजालन नूहो धलय्हिम मिन अहलिल कुरा ७ अ-इलम यसीर
जितने रसूल भेजे सब मर्द ही थे जिन्हें हम वही करते और सब शहर के साकिन थे, तो क्या ये लोग

فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ
مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ وَلَدَارُ الْآخِرَةِ خَيْرٌ لِلَّذِينَ اتَّقَوْا
أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۝ حَتَّىٰ إِذَا اسْتَيْسَسَ الرُّسُلُ
وَوَلَّوْا أَتَاهُمْ قَدْ كُذِّبُوا بِمَا جَاءَهُمْ نَضْحَانًا فَمِنْ
مَنْ نَّشَاءُ ۖ وَلَا يَرْجُدُ بِاسْتِنَاءٍ عَنِ الْقَوْمِ الْمُجْرِمِينَ ۝
لَقَدْ كَانَ فِي قَصَصِهِمْ عِبْرَةٌ لِأُولِي الْأَلْبَابِ ۖ
مَا كَانَ حَدِيثًا يُفْتَرَىٰ وَلَكِنْ تَصْدِيقَ الَّذِي
بَيْنَ يَدَيْهِ وَتَفْصِيلَ كُلِّ شَيْءٍ وَهُدًى
وَرَحْمَةً لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ۝

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝
الَّذِي أَنْزَلَ إِلَيْكَ
مِن رَّبِّكَ الْحَقَّ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ۝
اللَّهُ الَّذِي

इल अरदि इ-यन्गुरु कय् इ।

जमीन पर यले नहीं तो देखते

काना आकि-अतुल लमीना भिन

उनसे पेड़लों का क्या अ-जाम हुवा,

कल्लिहिम ७ व ल-दारुल आभि-रति

और बेशक आभिरत का घर

अय्दुल लिहलमीनत त-इप् ७

परहेजगारों के लिये बेउतर,

अ-इला तर-किलून ० हत्तो

तो क्या तुम्हें अकल नहीं। यहाँ तक

धमस्तय्-असर रुसुलु व म्मन्नू

जब रसूलों को आहिरी असबाब की उम्मीद न रही और लोग

अन्नहुम इह कुम्बू ज-अहुम नसरुना १ इ-नुज्जिया मन नशाय् ७

समझे के रसूलोंने उनसे गलत कहा था उसे वक्त उमारी मदद आई, तो जिसे उमने याडा भया लिया गया,

पला युरदु भय-सुना अनिल इप्मिल मुजिरमीन ० ल-इह काना

और उमारा अजाब मुजिरमोंसे डेरा नहीं जाता। बेशक

इ इ-ससिहिम धरतुल लि-उलिल अल्लाभ ७ मा काना हदीसय्

उनकी जबरों से अकलमन्दों की आंखें खुलती हैं, ये कोई

युह-तरा व लाकिन तस्दीकल लमी भय्ना यद्यहि व तहसीला

बनावट की बात नहीं लेकिन अपनोंसे अगले कामों की तसदीक है और

कुलि शय्धप् व हुदप् व रह-मतल लि-इप्मिन् युर-मिनून ०

उर थीजका मुहस्सल भयान और मुसलमानों के लिये छिदायत और रहमत.

सूरध २२-६

मदनी है, इसमें ४३ आयतें और ६ रुकूअ हैं

बिस्मिल्ला हिरहमा निरहमीम ०

अल्लाहके नामसे शुरूअ जो निदायत मेहरबान रहमवाला

अलिह-लाम-मीम-रा ७ तिह्का आयातुल किताब ७ वल्लमी उन्मिला

ये किताबकी आयतें हैं, और वो जो

धलय्का मिर रठिहिल हक्कु व लाकिन्ना अह-सरन नासि ला युर-मिनून ०

तुम्हारी तरफ तुम्हारे रणके पास से उतरा उक है मगर अक्सर आदमी ईमान नहीं लाते.

اللَّهُ الَّذِي رَفَعَ السَّيُوتَ بِغَيْرِ عَمَلٍ تَرَوْنَهَا ثُمَّ
 اسْتَوَى عَلَى الْعَرْشِ وَسَخَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ
 كُلٌّ يَجْرِي لِأَجَلٍ مُّسَمًّى يُدَبِّرُ الْأَمْرَ يُفَصِّلُ
 الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ بِلِقَاءِ رَبِّكُمْ تُوقِنُونَ ۝ وَهُوَ الَّذِي
 مَدَّ الْأَرْضَ وَجَعَلَ فِيهَا رَوَاسِيَ وَأَنْهَارًا وَمِنْ
 كُلِّ الشَّجَرِ جَعَلَ فِيهَا رُوحَيْنِ اشْتَدَّ يَغْشَى
 الْبَيْتَ السَّهَّارُ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ ۝
 وَفِي الْأَرْضِ قِطْعٌ مُّتَجَوِّرٌ وَجُنُثٌ مِنْ آعَابٍ
 وَزُرْعٌ وَنَخِيلٌ صُفْوَانٌ وَغَيْرُ صُفْوَانٍ يَسْتَقِي بِمَاءٍ
 وَاحِدٍ تَدْرُسُ فَصِّلَ بَعْضَهَا عَلَى بَعْضٍ فِي الْأَكْلِ ۝
 إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يَعْقِلُونَ ۝ وَإِنْ تَعْجَبْ
 فَعَجَبٌ قَوْلُهُمْ إِذَا كُنَّا تُرْبًا عَرَا لَنَا لَبِئْسَ خَلْقٌ
 جَدِيدٌ ۝ أُولَئِكَ الَّذِينَ كَفَرُوا بِرَبِّهِمْ وَأُولَئِكَ
 الْأَغْلَاقُ

અલ્લાહુલ લમ્બી ર-ફ-અસ સમાવાતિ
 અલ્લાહ હે જિસને આસમાનોં કો બુલન્દ કિયા

બિ-ગયરિ અ-મદિન ત-રવ્-નહા
 બે-સુતૂનોં કે કે તુમ દેખો

સુમ્મસ્તવા અ-લલ અરશિ વ સખ્ખરશ
 ફિર અર્શ પર ઈસ્તિવા ફરમાયા જેસા ઉસકી શાન કે લાયક હે

શમ્સા વલ ફ-મર ટ ફુલ્લુન્ય યજરી
 ઓર સૂરજ ઓર ચાંદ કો મુસખ્ખર કિયા, હર એક,

લિ-અ-જલિમ મુસમ્મા ટ યુદઝિરુલ અમ્મા
 એક ઠેહરાએ હુએ વા'દે તક ચલતા હે, અલ્લાહ કામકી

યુફરિસલુલ આયાતિ લ-અલ્લકુમ
 તદબીર ફરમાતા ઓર મુફરસલ નિશાનિયાં બતાતા હે

બિ-લિક્કાઘ રઝિઝકુમ તૂફિનૂન ૦ વહુવલ્લમ્બી મદ્દલ અરદા વ જ-અલા ફીહા
 કહીં તુમ અપને રબ કા મિલના યકીન કરો. ઓર વહી હે જિસને ઝમીનકો ફેલાયા ઓર ઉસમેં

રવાસિયા વ અન્હારા ટ વ મિન ફુલ્લિસ સ-મરાતિ જ-અલા ફીહા ઝવ્-જયનિસ્-
 લંગર ઓર નહરેં બનાઈ, ઓર ઝમીનમેં હર કિસમકે ફલ દો દો તરહ કે બનાએ

નય્નિ યુરિશલ લય્લન નહાર ટ ઘન્ના ફી ઝાલિકા લ-આયાતિલ લિ-ફ્પમિન્ય
 રાતસે દિનકો છુપા લેતા હે બેશક ઇસમેં નિશાનિયાં હેં

ય-તફક-કરૂન ૦ વ ફિલ અરદિ ફિ-તઉમ મુ-તજાવિરાતુંવ વ જન્નાતુમ
 ધ્યાન કરને વાલોં કો. ઓર ઝમીનકે મુખ્તલિફ કત્એ હેં ઓર હેં પાસ પાસ ઓર બાગ હેં

મિન અર-નાઝિંવ વ મરઉંવ વ નખીલુન સિન્વાનુંવ વ ગયરુ સિન્વાનિન્ય
 અંગૂરોં કે ઓર ખેતી ઓર ખજૂર કે પેળ એક થાલે સે ઉગે ઓર અલગ અલગ

યુસ્ફા બિ-માઇંવ વાહિદ વ નુફદ્દિલુ બર-દહા અલા બર-દિન ફિલ
 સબકો એક હી પાની દિયા જતા હે, ઓર ફલોંમેં હમ એક કો દૂસરે સે બેહતર કરતે હેં,

ઉકુલ ટ ઘન્ના ફી ઝાલિકા લ-આયાતિલ લિ-ફ્પમિન્ય યર-ફિલૂન ૦ વ ઘન
 બેશક ઇસમેં નિશાનિયાં હેં અકલ મન્દોં કે લિએ. ઓર અગર

તર-જબ ફ-અ-જબુન ફ્પલુહુમ અ-ઘમ્મા ફુન્ના તુરાબન અ-ઘન્ના લફી
 તુમ તઅજજબ કરો તો અયમ્બા તો ઉનકે ઇસ કેહને કા હે કે ક્યા હમ મિટ્ટી હોકર ફિર

ખલ્ફિન જદીદ ૬ ઉલોઘકલ લમ્બીના ફ-ફરૂ બિ-રઝિઝહિમ ૮ વ ઉલોઘકલ
 નએ બનેંગે વો હેં જો અપને રબ સે મુન્કિર હુએ ઓર વો હેં

الْأَغْلُلُ فِي أَعْنَاقِهِمْ ۖ وَأُولَئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۖ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ۝ وَيَسْتَعْجِلُونَكَ بِالسَّيِّئَةِ قَبْلَ الْحَسَنَةِ ۖ وَقَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِمُ الْمَثَلَتُ ۖ وَإِنَّ رَبَّكَ لَذُو مَغْفِرَةٍ لِّلنَّاسِ عَلَى ظُلْمِهِمْ ۖ وَإِنَّ رَبَّكَ لَشَدِيدُ الْعِقَابِ ۝ وَيَقُولُ الَّذِينَ كَفَرُوا لَوْلَا أُنْزِلَ عَلَيْهِ آيَةٌ مِّن رَّبِّهِ ۖ إِنَّمَا أَنْتَ مُنذِرٌ ۖ وَلِكُلِّ قَوْمٍ هَادٍ ۝ اللَّهُ يَعْلَمُ مَا تَحِيلُ كُلُّ أُنْثَىٰ عِنْدَكَ بِبِقَدَارٍ ۖ عِلْمُ الْغَيْبِ وَ الشَّهَادَةُ الْكَبِيرُ الْمُتَعَالِ ۖ سَوَاءٌ مِّنْكُمْ مَّنْ أَسَرَ الْقَوْلَ وَمَنْ جَهَرَ بِهِ ۖ وَمَنْ هُوَ مُسْتَخْفٍ بِاللَّيْلِ وَسَارِبٌ بِالنَّهَارِ ۖ لَهُ مَعْقِبَتٌ مِّنْ بَيْنِ يَدَيْهِ وَمِنْ خَلْفِهِ يَحْفَظُونَهُ مِّنْ أَمْرِ اللَّهِ ۖ إِنَّ اللَّهَ لَا يُغْنِي

अगलावु की अर-नाकिहिम ८ व डिवाधका
जिनकी गरदनमें तौक उोंगे, और वो
अरहाबुन नार ८ हुम कीहा जालिदून ०
दोजाब वाले हैं, उ-हें उसीमें रेहना.
व यस्तय-जिलू-नका जिस सय्यि-अति
और तुमसे अजाब की जल्दी करते हैं
कलल ह-स-नति व कद भ-लत
रहमत से पेडले और
मिन कलिहिमुल मसुलात ७
उनसे अगलों की सजाओं डो चुकीं,
व धन्ना रब्भका ल-मू मज्हि-रतिल
और बेशक तुम्हारा रब तो

लिन्नासि अला मुल्मिहिम ८ व धन्ना रब्भका ल-शदीदुल धकाज ०
लोगों के मुल्म पर भी उन्हे अक तरडकी मुआझी देता है, और बेशक तुम्हारे रब का अजाब सप्त है.

व यझुल लमीना क-झू लव्लो डिन्जिवा अ-लयहि आ-यतुम
और काझिर केडते हैं उनपर उनकी तरफ से कोई निशानी क्यूं नही उतरी
मिर रब्भह ७ धन्नमो अन्ता मुन्जिरुंप् व लि-कुलि क्पमिन हाद ८
तुम तो डर सुनानेवाले डो और डर कौमके डादी.

अल्लाहु यर-लमु मा तहमिलु कुल्लु डिन्सा वमा तगीदुल अरहामु
अल्लाह जानता है जो कुछ किसी मादा के पेटमें है और पेट जो कुछ घटते

वमा तग्दाद ७ व कुल्लु शय्धन धन्दहू जि-मिफदार ० आलिमुल गय्जि
बण्डते हैं, और डर थीज उसके पास अक अन्दाजे से है. डर छुपे

वश शहा-दतिल कभीरुल मु-तआल ० सवाँडिम मिन्कुम मन
और भुले का जाननेवाला सबसे बणा बुलन्दी वाला. बराबर हैं जो तुममें

असर-रल क्पला व मन ज-हरा जिही व मन हुवा मुस्तफ्फिम जिल
जात आहिस्ता कडे और जो आवाज से और जो रातमें छुपा है

लयलि व सारिबुम जिन्नहार ० लहू मुअक-किजातुम मिम जय्नि
और जो दिनमें राड यलता है. आदमी के लिअे बढली वाले इरिशते हैं

य-दयहि व मिन जल्फिही यह-झू-नहू मिन अम्बिल्लाह ७ धन्नल्लाहा
उसके आगे पीछे के ब-डुकमे भुदा उसकी डिफाजत करते हैं, बेशक अल्लाह

لَا يُغَيِّرُ مَا بِقَوْمٍ حَتَّى يُغَيِّرُوا مَا بِأَنْفُسِهِمْ ۚ وَإِذَا
 أَرَادَ اللَّهُ بِقَوْمٍ سُوءًا ۖ فَلَا مَرَدَّ لَهُ ۚ وَمَا لَهُمْ
 مِنْ دُونِهِ مِنْ وَالٍ ۚ هُوَ الَّذِي يُرِيكُمْ الْبَرْقَ خَوَافًا
 وَطَمَعًا وَيُنْشِئُ السَّحَابَ الثِّقَالَ ۖ وَيُسْخِرُ الرُّعْدَ
 بِحَمْدِهِ ۖ وَالْمَلَائِكَةُ مِنْ خِيفَتِهِ ۖ وَيُرْسِلُ
 الصَّوَاعِقَ فَيُصِيبُ بِهَا مَنْ يَشَاءُ ۖ وَهُمْ يُجَادِلُونَ
 فِي اللَّهِ ۖ وَهُوَ شَدِيدُ الْحَالِ ۖ لَهُ دَعْوَةُ الْحَقِّ ۖ
 وَالَّذِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ لَا يَسْتَجِيبُونَ لَهُمْ
 بِشَيْءٍ إِلَّا كَبَاسِطٌ كَفَيَّهُ إِلَى الْمَاءِ لَيَبْلُغَ فَاهُ ۖ وَمَا
 هُوَ بِالْغَيْبِ ۖ وَمَا دُعَاءُ الْكَافِرِينَ إِلَّا فِي ضَلَالٍ ۖ
 وَلِلَّهِ يَسْجُدُ مَنْ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ طَوْعًا وَكَرْهًا
 وَظُلْمًا لَهُمْ بِالْغُدُوِّ وَالْأَصَالِ ۖ قُلْ مَنْ رَبُّ
 السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ قُلِ اللَّهُ ۖ قُلْ أَفَاتَّخَذْتُمْ مِنْ
 دُونِهِ أَوْلِيَاءَ ۚ

ला युगय्यिरु मा णि-इप्पमिन हत्ता
 किसी कौमसे अपनी ने'मत नही बदलता जबतक
 युगय्यिरू मा णि-अन्हुसिहिम ७ व
 वो भुट अपनी डालत न बदलें और
 धम्मो अरादल्लाहु णि-इप्पमिन सूअन
 जब अल्लाह किसी कौमसे बुराई याहे
 इला मरद्-दा लह ८ वमा लहुम मिन
 तो वो फिर नहीं सकती, और उसके सिवा उनका
 दूनिही मिंग् वाल ० हुवल्लमी युरीकुमुल
 कोई डिमायती नहीं. वही है तुम्हें
 भर्का भव्-इप् व त-मअप् व युन्शिउस
 णिजली दिभाता है उर को और उम्मीद को और

सहाभस सिक्काल ० व युसण्णिहुर २२-दु णि-हम्मिही वल मलाध-इतु
 भारी बदलियां उठाता है. और गरज उसे सराउती दुई उसकी पाकी बोलती है और इरिश्ते

मिन णी-इतिह ८ व युरसिलुस सपाधका इ-युसीनु णिहा मंय् यशाउि व हुम
 उसके उर से, और कणक भेजता है तो उसे डालता है जिसपर याहे और वो

युज्जहिलूना इल्लाहि ८ वहुवा शदीदुल मिहाल ० लहू दर-पतुल हक्क ७
 अल्लाह में जगणते होते हैं और उसकी पकण सप्त है. उसीका पुकारना नया है,

वल्लमीना यदडिना मिन दूनिही ला यस्तजुभूना लहुम णि-शय्धन
 और उसके सिवा जिनको पुकारते हैं वो उनकी कुछ भी ही सुनते

धल्ला इ-भासिति इइ-इय्हि धलल माध लि-यडुगुगा इाहु
 मगर उसकी तरफ जो पानी के सामने अपनी डथेलियां डैलाये बैठा है के उसके मुंहमें पहुंच जाये

वमा हुवा णि-भालिगिह ७ वमा दुआउिल काइरीना धल्ला इी दलाल ०
 और वो उरगिज न पहुंचेगा और काइरों की उर हुआ भटकती फिरती है.

व लिल्लाहि यस्सुदु मन इस समावाति वल अरदि तप्अंप् व
 और अल्लाह ही को सज्दा करते हैं जितने आसमानों और जमीनमें हैं भुशी से ज्वाह

इरहंप् व णिलालुहुम णिल गुदुप्पि वल आसाल (सज्दह) ० कुल मर
 मज्भूरी से और उनकी परछाईयां उर सुब्बो शाम. तुम इरमाओ कौन

रडुस समावाति वल अर्द ७ कुलिल्लाह ७ कुल अ-इत्ताणत्तुम मिन
 रण है आसमानों और जमीन का तुम भुट ही इरमाओ, अल्लाह, तुम इरमाओ तो क्या

دُوَيْبَةَ أَوْلِيَاءَ لَا يَمْلِكُونَ لِأَنفُسِهِمْ نَفْعًا وَلَا ضَرًّا
قُلْ هَلْ يَسْتَوِي الْأَعْمَىٰ وَالْبَصِيرَةُ أَمْ هَلْ تَسْتَوِي
الظُّلُمَاتُ وَالنُّورُ أَمْ جَعَلُوا لِلَّهِ شُرَكَاءَ خَلَقُوا
كَخَلْقِهِ فَتَشَابَهَ الْخَلْقُ عَلَيْهِمْ ۚ قُلِ اللَّهُ خَالِقُ
كُلِّ شَيْءٍ وَهُوَ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ۚ أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ
مَاءً فَسَالَتْ أَوْدِيَةٌ بِقَدَرِهَا فَاحْتَمَلَ السَّيْلُ
زَبَدًا رَابِيًا ۚ وَمِمَّا يُوقِدُونَ عَلَيْهِ فِي النَّارِ
أَبْتِغَاءَ حِلْيَةٍ أَوْ مَتَاعٍ زَبَدٌ مِثْلُهٗ ۚ كَذَٰلِكَ يَضْرِبُ
اللَّهُ الْحَقَّ وَالْبَاطِلَ ۚ فَأَمَّا الزَّبَدُ فَيَذْهَبُ جُفَاءً ۚ
وَأَمَّا مَا يَنْفَعُ النَّاسَ فَيَمْكُثُ فِي الْأَرْضِ ۚ كَذَٰلِكَ
يَضْرِبُ اللَّهُ الْأَمْثَالَ ۚ لِلَّذِينَ اسْتَجَابُوا لِرَبِّهِمْ
الْحُسْنَىٰ ۚ وَالَّذِينَ لَمْ يَسْتَجِيبُوا لَهُ لَوْ أَنَّ لَهُمْ مَا
فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا وَمِثْلَهُ مَعَهُ لَا فُتَدُوا بِهِ ۚ

दूनिही अवलियाआ। ला यम्लिकूना।

उसके सिवा तुमने वो डिमायती बना लिअे हैं

लि-अन्हुसिहिम नइ-अंप् पला दस्रा ७

जो अपना भला बुरा नहीं कर सकते हैं

कुल हल यस्तविल अर-मा पल नसीर ४

तुम इरमाओ क्या बराबर हो जाओगे अन्धा और अंधियारा,

अम हल तस्तविम मुलुमातु पन्नूर ६

या क्या बराबर हो जाओगी अन्धेरियां और उजाला,

अम ४-अलू लिह्लाहि शु-रकाआ।

क्या अल्लाह के लिअे ऐसे शरीक ठेकराअे हैं

म-लकू क-मलिकिही इ-तशा-महल

जिन्होंने अल्लाह की तरफ कुछ बनाया तो उन्हें उनका और उसका

मल्हु अ-लयहिम ७ कुलिह्लाहु मालिकु कुल्लि शय्धंय वहुपल वाहिदुल

बनाना अक सा मा'लूम हुवा, तुम इरमाओ अल्लाह हर चीजका बनानेवाला है और वो अकेला सबपर

इहहार ० अन्मला मिनस समोथ मोअन इ-सालत अवि-यतुम

गालिब है. उसने आसमान से पानी उतारा तो नाले अपने अपने बाँधक

मि-क-दरिहा इह-त-मलस सय्लु म-मदर राभिया ७ व मिम्मा यूकिदूना

बेड निकले तो पानी की रौ उसपर उभरे हुअे जाग उठा बाँध, और जिसपर आग दहकाते हैं

अ-लयहि इनि नारिज्तिगाआ हिल्यतिन अप् मताधन म-मदुम

गडना या और असबाब बनाने को उससे भी वैसे ही जाग उठते हैं,

मिस्लुह ७ क्मालिका यदरिबुल्लाहुल हक्का पल भातिल ७ इ-अम्मम्

अल्लाह बताता है के हक व भातिल की यही मिसाल है, तो

म-मदु इ-यम्-हबु जुफाआ ८ व अम्मा मा यन्हुतिन नासा इ-यम्हुसु

जाग तो झिंक कर दूर हो जाता है, और वो जो लागोंके काम आअे जमीनमें रेहता है

इलि अई ७ क्मालिका यदरिबुल्लाहुल अम्साल ७ लिह्लमीनस्-तजभू

अल्लाह यूँही मिसालें बयान इरमाता है. जिन लोगोंने अपने रब का हुक्म माना

लि-रज्जिहिमुल हुस्ना ७ वल्लमीना लम यस्तजुभू लहू लप् अन्ना

उन्हीं के लिअे भलाई है, और जिन्होंने उसका हुक्म न माना अगर

लहुम मा इलि अरदि जमीअंप् व मिस्लहू म-अहू लइ-तदप् मिह ७

जमीनमें जो कुछ है सब और इस जैसा और उनकी मिल्कमें होता तो अपनी जान छुणाने को दे देते,

أُولَئِكَ لَهُمْ سُوءُ الْحِسَابِ ۖ وَمَا لَهُمْ جَهَنَّمَ
وَبِئْسَ الْيَهَادُونَ ۚ أَفَمَنْ يَعْلَمُ أَنَّ آتِلَ إِلَيْكَ
مِنْ رَبِّكَ الْحَقَّ كَمَنْ هُوَ أَعْمَى ۚ إِنَّمَا يَتَذَكَّرُ
أُولَئِكَ إِلَّا لِبَابٍ ۚ الَّذِينَ يُؤْفُونَ بِعَهْدِ اللَّهِ وَلَا
يَنْقُضُونَ الْمِيثَاقَ ۚ وَالَّذِينَ يَصِلُونَ مَا أَمَرَ اللَّهُ
بِهِ أَنْ يُوصَلَ وَيَخْشَوْنَ رَبَّهُمْ وَيَخَافُونَ سُوءَ
الْحِسَابِ ۚ وَالَّذِينَ صَبَرُوا ابْتِغَاءَ وَجْهِ رَبِّهِمْ وَأَقَامُوا
الصَّلَاةَ وَآتَوْا الزَّكَاةَ وَرَزَقْنَاهُمْ سِرًّا وَعَلَانِيَةً
وَيَذَرُونَ بِالْحَسَنَةِ السَّيِّئَةَ ۚ أُولَئِكَ لَهُمْ عُقْبَى
الدَّارِ ۚ جَنَّتٌ عَدْنٌ يَدْخُلُونَهَا وَمَنْ صَلَحَ مِنْ
آبَائِهِمْ وَأَزْوَاجِهِمْ وَذُرِّيَّتِهِمْ ۚ وَالْمَلَائِكَةُ يَدْخُلُونَ
عَلَيْهِمْ مِنْ كُلِّ بَابٍ ۚ سَلَّمَ عَلَيْكُمْ ۚ مَا صَبَرْتُمْ فَنِعْمَ
عُقْبَى الدَّارِ ۚ وَالَّذِينَ يَنْقُضُونَ عَهْدَ اللَّهِ مِنْ بَعْدِ

مِيثَاقِهِ

مَنْ

351

उलोयका लहुम सूडिल हिसाबि ॥ व
यही हैं जिनका भुरा हिसाब होगा, और
मर-वाहुम जहन्नम ॥ व भिर-सल
उनका ठिकाना जहन्नम है और क्या ही भुरा
मिहाद ॥ अ-इमंय् यर-लमु अन्नमो
बिछौना. तो क्या वो जलता है जो कुछ
उन्मिला घ-लय्का मिर रज्जिहल हकु
तुम्हारी तरफ़ तुम्हारे रब के पाससे उतरा एक है
इ-मन हुवा अर-मा ॥ घन्नमा
वो उस जैसा होगा जो अन्धा है
य-तमक-कुरु उलुल अल्लाह ॥ अल्लमीना
नसीहत वही मानते हैं जिन्हें अकल है. वो जो

यूहूना भि-अहदिल्लाहि वला यन्हुदूनल मीसाक ॥ वल्लमीना यसिलूना
अल्लाहका अहद पूरा करते हैं और कौल बांधकर फिरते नहीं. और वो के जोणते हैं
मो अ-मरल्लाहु जिही अंय् यू-सला व यण्शप्ना रज्जहुम व यणाहूना
उसे जिसके जोणने का अल्लाहने हुकम दिया और अपने रब से उरते हैं और
सूअल हिसाब ॥ वल्लमीना स-भरुज्तिगोआ वजहि रज्जिहिम व अकामुस
हिसाबकी भुराईसे अन्देशा रખते हैं. और वो जिन्होंने सभ्र किया अपने रब की रज़ा याहने को और
सलाता व अन्हुकू मिमा र-मकनाहुम सिरंप् व अलानि-यतंप् व
नमाज़ काईम रખी और हमारे द्दिअ से हमारी राहमें छुपे और जाहिर जय किया और
यद-रउीना मिल ह-स-नतिस सय्यि-अता उलोयका लहुम उकभद दार ॥
भुराई के बढे लवाई करके टालते हैं उन्हीं के लिअे पिछले घर का नफ़ा है.
जन्नातु अदनिय् यदभुलू-नहा व मन स-लहा मिन आभायहिम
बसने के बाग जिनमें वो दाखिल होंगे और जो लाईक हों उनके बाप दादा
व अम्वाजिहिम व मुररियातिहिम वल मलोय-कतु यदभुलूना
और बीबियों और औलाद में और इरिशते
अ-लयहिम मिन कुल्लि जाह ॥ सलामुन अ-लयकुम जिमा स-भरतुम
हर दरवाजे से उनपर ये केहते आअेंगे. सलामती हो तुमपर तुम्हारे सभ्र का बढला
इ-निर-मा उकभद दार ॥ वल्लमीना यन्हुदूना अहदिल्लाहि मिम भर-दि
तो पिछला घर क्या ही भूब मिला. और वो जो अल्लाहका अहद

مِمَّا قَدْ وُقِفُوا فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا بِمَا كَانُوا يَكْفُرُونَ ۚ
وَيُفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ ۚ وَلَهُمُ اللَّعْنَةُ وَلَهُمْ
سُوءُ الدَّارِ ۚ إِنَّ اللَّهَ يَبْسُطُ الرِّزْقَ لِمَن يَشَاءُ وَيَقْدِرُ ۚ
وَقَرِخُوا بِالْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۚ وَمَا الْحَيَاةُ الدُّنْيَا فِي
الْآخِرَةِ إِلَّا مَتَاعٌ ۚ وَيَقُولُ الَّذِينَ كَفَرُوا لَوْلَا
أُنْزِلَ عَلَيْهِ آيَةٌ مِّن رَّبِّهِ ۚ قُلْ إِنَّ اللَّهَ يُضِلُّ مَن يَشَاءُ
وَيَهْدِي إِلَىٰ آلِهِ مَن أَبْتَغَىٰ ۚ وَالَّذِينَ آمَنُوا
وَتَطْمَئِنُّ قُلُوبُهُمْ بِذِكْرِ اللَّهِ ۚ أَلَا بِذِكْرِ اللَّهِ
تَطْمَئِنُّ الْقُلُوبُ ۚ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ
سُوفَىٰ لَهُمْ أَجْرٌ كَبِيرٌ ۚ وَحَسُنَ مَا يَكُونُ لَكُمْ
أَعْيُنًا قَدْ خَلَتْ مِن قَبْلِهَا ۚ أَمَّا لَتَلَتَّلُوا عَلَيْهِمْ
الَّذِي أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ وَهُمْ يَكْفُرُونَ بِالرَّحْمَنِ ۚ قُلْ
هُوَ رَبِّي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ وَإِلَيْهِ

भीसाकिही व यक़तठिना मो अ-म-रल्लाहु
उसके पक्षे छीने के बाद तोयते और जिसके जेबनेसे
जिहो अंय यू-सला व युसिदूना जिल
अल्लाहने करमाया उसे कता' करते और अभी-नमें कसाह
अरहि ८ एलायका ल-हुमुल ल-नतु व
केलाते हैं, उनका हिस्सा ला'नत ही है और
लहुम सूँद दार ० अल्लाहु यन्सुतुर
उनका नसीबा भुरा घर. अल्लाह
रिम्का लि-मंय यशाँठि व यक़दिर ८
जिसके बिसे याहे रिम्क दुशादा और तंग करता है,
व क़रिहू जिल हयातिह दुन्या ८
और काकिर दुनिया की जिन्दगी पर ठतरा गये,

व मल हयातुह दुन्या जिल आज़ि-रति धल्ला मताय ८ व यक़लुल
और दुनियाकी जिन्दगी आज़िरत के मुकाबिल नहीं मगर कुछ दिन भरत लेना. और

लगीना क-क़ूर लप्लो उन्जिला अ-लयहि आ-यतुम मिर रज्जिह ८
काकिर केहते उनपर कोई निशानी उनके रबकी तरफ़से क्यूं न उतरी,

कुल धन्नल्लाहा युदिल्लु मंय यशाँठि व यहदी ध-लयहि मन अनाज ८
तुम करमाओ बेशक अल्लाह जिसे याहे गुमराह करता है और अपनी राह उसे देता है जे उसकी तरफ़ रुजूअ लाये.

अल्लगीना आ-मनू व तत्मधन्नु कुलूजुहुम जि-ज़िकरिल्लाह ८
वो जे ईमान लाये और उनके दिल अल्लाहकी याद से चैन पाते हैं,

अला जि-ज़िकरिल्लाहि तत्मधन्नुल कुलूज ८ अल्लगीना आ-मनू व
सुन लो अल्लाहकी याद ही में दिलोंका चैन है. वो जे ईमान लाये और

अमिलुस सालिहाति तूजा लहुम व हुस्नु मयाज ० क-ज़ालिका
अच्छे काम किसे उनको भुशी है और अच्छा अ-ज़ाम. इसी तरह

अरसल्लाका हौ उम्मतिन क़द ज़लत मिन क़ज्जिहो उ-ममुल लि-तत्लुवा
हमने तुमको उस उम्मतमें लेजा जिससे पेहले उम्मतें हो गुज़रीं के तुम

अ-लयहिमुल लगी अप-हय्नो धलयका वहुम यक़दूरना मिर रहमान ८
उन्हें पण्डकर सुनाओ जे हमने तुम्हारी तरफ़ वही की और वो रहमान के मुन्किर हो रहे हैं,

कुल हुवा रब्बी लो धलाहा धल्ला हू ८ अलयहि तपक-क़त्तु व धलयहि
तुम करमाओ वो मेरा रब है उसके सिवा किसीकी बन्दगी नहीं मैंने उसीपर बरोसा किया और उसीकी

مَتَاب ۝ وَلَوْ أَنَّ قُرْآنًا سُيِّرَتْ بِهِ الْجِبَالُ أَوْ
قُطِعَتْ بِهِ الْأَرْضُ أَوْ كُتِبَ بِهِ الْمَوْتُ ۖ بَلْ يَنْذِرُ
الْمُرْجِعِينَ ۖ أَفَلَمْ يَأْتِئِ الَّذِينَ آمَنُوا أَنْ لَوْ
يَشَاءُ اللَّهُ لَهْدَى النَّاسَ جَمِيعًا ۚ وَلَا يَزَالُ
الَّذِينَ كَفَرُوا تُصِيبُهُمْ بِمَا صَنَعُوا قَارِعَةٌ أَوْ تَحُلُ
قَرْنًا مِّنْ دَارِهِمْ حَتَّى يَأْتِيَ وَعْدُ اللَّهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ
لَا يُخْلِفُ الْبِعَادَ ۚ وَلَقَدْ أَسْتَهْزِئُ بِرُسُلٍ مِّنْ
قَبْلِكَ ۖ فَامْلِكِ لِلَّذِينَ كَفَرُوا ثُمَّ أَخَذْنَاهُمْ ۖ
فَكَيْفَ كَانَ عِقَابِ ۚ أَفَمَن هُوَ قَائِمٌ عَلَىٰ كُلِّ نَفْسٍ
بِمَا كَسَبَتْ ۖ وَجَعَلُوا لِلَّهِ شُرَكَاءَ ۖ قُلْ سَمُّوهُمْ
أَمْ تُنَبِّئُونَهُ بِمَا لَا يَعْلَمُ فِي الْأَرْضِ امْرُؤًا يُّظَاهِرُ مِن
الْقَوْلِ ۖ بَلْ زَيْنٌ لِّلَّذِينَ كَفَرُوا مَكْرُهُمْ وَصُدُّوا
عَنِ السَّبِيلِ ۚ وَمَن يُضْلِلِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ هَادٍ ۝

لَهُمْ عَذَابٌ

مَتَاب

353

मताब ० व लप् अण्ना। कुरआनन
तरफ़ मेरी दुख्ख है, और अगर कोई ऐसा कुरआन आता

सुखिरत बिहिल जिभाबु अप् कुत्तिअत
जिससे पछाण टल जाते या जमीन इट जाती

बिहिल अरहु अप् कुत्लिमा। बिहिल
या मुरहे बातें करते जब भी ये काफ़िर न मानते

मप्ता ७ जल लिक्लाहिल अम्मु जमीया ७
बल्के सभ काम अल्लाह ही के इप्तिहारमें हैं,

अ-इलम यथ्-असिल लमीना। आ-मनू
तो क्या मुसलमान इससे नाउम्मीद न हुआ

अल्लप् यशाउल्लाहु ल-हदन नासा।
के अल्लाह याहता तो सभ आदमियों को छिदायत

जमीया ७ वला यमाबुल लमीना। इ-इरू तुसीबुहुम जिमा स-नडि
कर देता, और काफ़िरों को हमेशा के लिये ये सप्त धमक पहुँचती रहेगी

कारि-अतुन अप् तहुल्लु इरीजम मिन दारिहिम हत्ता यर-तिया।
या उनके घरोंके नजदीक उतरेगी यहाँ तक के

पर-हुल्लाह ७ धन्नल्लाहा ला युप्लिहुल मीआह ० व ल-इदिस्तुह्मिया।
अल्लाहका वा'दा आये, बेशक अल्लाह वा'दा भिलाई नहीं करता, और बेशक

जि-रुसुलिम मिन इब्लिका। इ-अम्लय्तु लिक्लमीना। इ-इरू सुम्मा।
तुमसे अगले रसूलोंसे भी उंसी की गर्थ तो मैंने काफ़िरों को कुछ दिनों ढील दी फिर

अ-जम्तुहुम ७ इ-इय्हा। इना धकाज ० अ-इ-मन हुवा। इधमुन अला।
उन्हें पकणा, तो मेरा अजाब कैसा था, तो क्या वो

कुत्लि नइसिम जिमा इ-स-जत ७ व ज-अलू लिक्लाहि शु-रकाय् ७ कुल
हर जान पर उसके आ'मालकी निगाहदाश्त रहता है, और वो अल्लाहके शरीक ठेकराते हैं, तुम इरमाओ

सम्भूहुम ७ अम तुनजिभिउ-नहू जिमा ला यर-लमु हिल अरदि अम
उनका नाम तो लो या उसे वो बताते हो जो उसके इल्म में सारी जमीनमें नहीं या

जि-माहिरिम मिनल इौल ७ जल मुय्यिना। लिक्लमीना। इ-इरू मकरुहुम
यूँही उपरी बात, बल्के काफ़िरोंकी निगाहमें उनका इरेब अस्था ठेकरा है

व सुद्दू अनिस सजील ७ व मय् युदलिलिल्लाहु इमा लहू मिन हाद ०
और राहसे रोके गये और जिसे अल्लाह गुमराह करे उसे कोई छिदायत करनेवाला नहीं।

لَهُمْ عَذَابٌ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَعَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ وَمَا لَهُمْ مِنَ اللَّهِ مِنْ وَّاقٍ ۝ مَثَلُ الْجَنَّةِ الَّتِي وُعِدَ الْمُتَّقُونَ ۖ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۖ أُكُلُهَا دَائِمٌ وَظُلُمَاتُهَا ۖ تِلْكَ عُقْبَى الَّذِينَ اتَّقَوْا ۖ وَعُقْبَى الْكَافِرِينَ النَّارُ ۖ وَالَّذِينَ اتَّيْنَهُمُ الرِّكَبُ يَفْرَحُونَ بِمَا أُنْزِلَ إِلَيْكَ وَمِنْ الْأَخْرَابِ مَنْ يُنْكِرُ بَعْضَهُ ۖ قُلْ إِنَّمَا أُمِرْتُ أَنْ أَعْبُدَ اللَّهَ وَلَا أُشْرِكَ بِهِ ۖ إِلَيْهِ أَدْعُوا وَإِلَيْهِ مَابٍ ۖ وَكَذَلِكَ أَنْزَلْنَاهُ حُكْمًا وَعَرَبِيًّا ۖ وَلَئِنْ اتَّبَعْتَ أَهْوَاءَهُمْ بَعْدَ مَا جَاءَكَ مِنَ الْعِلْمِ ۖ مَا لَكَ مِنَ اللَّهِ مِنْ وَلِيٍّ وَلَا وَاقٍ ۖ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا رُسُلًا مِنْ قَبْلِكَ وَجَعَلْنَا لَهُمْ أَزْوَاجًا وَذُرِّيَّةً ۖ وَمَا كَانَ لِرُسُلِنَا أَنْ يَأْتِيَ بِآيَةٍ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ لِكُلِّ آجَلٍ كِتَابٌ ۝

લહુમ અઝાબુન ફિલ હયાતિદ દુન્યા વ ઉન્હે દુનિયા કે જતે અઝાબ હોગા ઓર લ-અઝાબુલ આખિ-રતિ અ-શક્ક ર વમા બેશક આખિરત કા અઝાબ સબસે સખ્ત હે, ઓર લહુમ મિનલ્લાહિ મિંવ્ વાક ૦ મ-સલુલ ઉન્હે અલ્લાહ સે બચાને વાલા કોઈ નહીં. એહવાલ જન્નતિલ લતી પુષ્પલ મુત્તફૂન ૫ ઉસ જન્નત કા કે ડર વાલો કે લિએ જિસકા વા'દા હે, તજરી મિન તહતિહલ અન્હાર ૫ ઉસકે નીચે નેહરે બેહતી હે, ઉફુલુહા દાઘમુવ્ વ મિલ્લુહા ૫ તિલ્કા ઉસકે મેવે હમેશા ઓર ઉસકા સાયા,

ઉકબલ લમીનત ત-ફવ્ ૫ વ ઉકબલ કાફિરીનન નાર ૦ વલ્લમીના ડર વાલો કા તો યે અન્જમ હે, ઓર કાફિરો કા અન્જમ આગ. ઓર જિનકો આતય-નાહુમુલ કિતાબા યફ-રહૂના બિમો ઉન્જિલા ઘલય્કા વ મિનલ હમને કિતાબ દી વો ઉસપર ખુશ હોતે જો તુમહારી તરફ ઉતરા ઓર ઉન અહમાબિ મંય્ યુન્કિરુ બર-દહ ૫ ફુલ ઘન્નમો ઉમિરતુ અન અર-બુદલ્લાહા ગિરોહોમેં કુછ વો હેં કે ઉસકે બા'ઝસે મુન્કિર હેં, તુમ ફરમાઓ મુઝે તો યહી હુકમ હે કે અલ્લાહકી બન્દગી કર્ વલો ઉશ્શિકા બિહ ૫ ઘલય્હિ અદઉ વ ઘલય્હિ મઆબ ૦ વ કઝાલિકા ઓર ઉસકા શરીક ન ઠેહરાઉં, મેં ઉસીકી તરફ બુલાતા હૂં ઓર ઉસીકી તરફ મુઝે ફિરના. ઓર ઈસી તરહ અન્જલ્લાહુ હુકમન અ-રબિય્યા ૫ વ લ-ઘનિત તબર-તા અહવા-અહુમ હમને ઈસે અરબી ફેસલા ઉતારા, ઓર અય સુનને વાલે અગર તૂ ઉનકી ખ્વાહિશોં પર ચલેગા બર-દા મા જા-અકા મિનલ ઘલ્મિ ૫ મા લકા મિનલ્લાહિ મિંવ્ વલિય્ચિંવ્ બાદ ઈસકે કે તુઝે ઈલ્મ આ ચુકા તો અલ્લાહ કે આગે ન તેરા કોઈ હિમાયતી હોગા વલા વાક ૦ વ લ-ફદ અરસલ્ના રુસુલમ મિન ફલ્લિકા વ જઅલ્ના લહુમ ન બચાને વાલા. ઓર બેશક હમને તુમસે પેહલે રસૂલ ભેજે ઓર ઉનકે લિએ અમ્વાજંવ્ વ મુરરિય્હ ૫ વમા કાના લિ-રસૂલિન અંય્ યર-તિયા બીબિયાં ઓર બચ્ચે કિએ ઓર કિસી રસૂલ કા કામ નહીં કે કોઈ નિશાની લે આએ બિ-આ-યતિન ઘલ્લા બિ-ઘમ્નિલ્લાહ ૫ લિ-ફુલ્લિ અ-જલિન કિતાબ ૦ મગર અલ્લાહકે હુકમ સે, ડર વા'દે કી એક લિખત હે.

يَسْأَلُونَكَ مَا يَأْتِيكَ بِهِ ۖ وَيُذَكِّرُونَكَ ۚ وَعَنْدَكَ أَمْرٌ
الْكِتَابِ ۚ وَإِنْ مَا تُرِيدُكَ بَعْضَ الَّذِي
نَعِدُهُمْ أَوْ تَتَوَقَّعُكَ فَإِنَّا عَلَىكَ الْبَالُغُ وَعَلَيْنَا
الْحِسَابُ ۚ أَوَلَمْ يَرَوْا أَنَّا نَأْتِي الْأَرْضَ نَنْقُصُهَا
مِنْ أَطْرَافِهَا ۚ وَاللَّهُ يَحْكُمُ لَا مُعَقَّبَ لِحُكْمِهِ ۚ
وَهُوَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۚ وَقَدْ مَكَرَ الَّذِينَ مِنْ
قَبْلِهِمْ فَلِلَّهِ الْكُفْرُ جَمِيعًا ۚ يَعْلَمُ مَا تَكْسِبُ كُلُّ
نَفْسٍ ۚ وَسَيَعْلَمُ الْكُفْرُ لِمَنْ عَقَبَى الدَّارَ ۚ وَيَقُولُ
الَّذِينَ كَفَرُوا لَسْتَ مُرْسَلًا ۚ قُلْ كُنِيَ بِاللَّهِ شَهِيدًا
بَيْنِي وَبَيْنَكُمْ ۚ وَمَنْ عِنْدَهُ عِلْمُ الْكِتَابِ ۚ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝
الرَّسُوبُ أَنْزَلْنَاهُ إِلَيْكَ لِتُخْرِجَ النَّاسَ مِنَ الظُّلُمَاتِ
إِلَى النُّورِ ۚ

અમલુલ્લાહુ મા યશોઉ વ યુસ્બિતહૈ વ ઘન્ટહૈ
અલ્લાહ જો ચાહે મિટાતા ઓર સાબિત કરતા હૈ, ઓર
ઉમ્મુલ કિતાબ ૦ વ ઘમ્મા નુરિયન્નકા
અસલ લિખા હુવા ઉસીકે પાસ હૈ. ઓર અગર હમી તુમ્હે
બર-દલ લગી નઘદુહુમ અવ્ ન-તવફ-
દિખા દે કોઈ વા'દા જો ઉન્હે દિયા જાતા હૈ યા પેહલે હી
ફયન્નકા ફ-ધન્નમા અ-લય્કલ બલાગુ
અપને પાસ બુલાએ તો બહર હાલ તુમપર તો સિફ પહુચાના હૈ
વ અ-લય્નલ હિસાબ ૦ અ-વ-લમ યરવ્
ઓર હિસાબ લેના હમારા ઝિમ્મા. ક્યા ઉન્હે નહીં સૂઝતા
અન્ના નર-તિલ અર્દા નન્કુસુહા મિન
કે હમ હર તરફ સે ઉનકી આબાદી ઘટાતે આ રહે હૈ

અત્રાફિહા ૫ વલ્લાહુ યહફુમુ લા મુઅફ્ફિબા લિ-હુકમિહ ૫ વહુવા સરીઉલ

ઓર અલ્લાહ હુકમ ફરમાતા હૈ ઉસકા હુકમ પીછે ડાલનેવાલા કોઈ નહીં ઓર ઉસે હિસાબ લેતે

હિસાબ ૦ વ ફદ મ-કરલ લગીના મિન ફલિહિમ ફ-લિલ્લાહિલ મફરુ

દેર નહીં લગતી. ઓર ઉનસે અગલે ફરેબ કર ચુકે હૈ તો સારી ખુફિયા તદબીર કા માલિક તો અલ્લાહ

જમીઆ ૫ યર-લમુ મા તકસિબુ ફુલુ નફસ ૫ વ સ-યર-લમુલ ફુફ-ફારુ

હી હૈ. જાનતા હૈ જો કુછ કોઈ જાન કમાએ ઓર અબ જાનના ચાહતે હૈ કાફિર

લિ-મન ઉકબદ દાર ૦ વ યફૂલુલ લગીના ફ-ફૂ લસ્તા મુર-સલા ૫ ફુલ ફફા

કિસે મિલતા હૈ પિછલા ઘર. ઓર કાફિર કેહતે હૈ તુમ રસૂલ નહીં, તુમ ફરમાઓ

બિલ્લાહિ શહીદમ બય્ની વ બય્-નકુમ ૪ વ મન ઘન્ટહૈ ઘલ્મુલ કિતાબ ૦

અલ્લાહ ગવાહ કાફી હૈ મુઝમે ઓર તુમમે ઓર વો જિસે કિતાબકા ઇલ્મ હૈ.

સૂરઘ ઘબ્રાહીમ
મક્કી હૈ, ઇસમેં (૫૨) આયતેં ઓર (૭) રુકૂઅ હૈ
બિસ્મિલ્લા હિર્હમા નિર્હીમ ૦
અલ્લાહકે નામસે શુરૂઅ જો નિહાયત મેહરબાન રહમવાલા

અલિફ-લામ-રા ક્ફ કિતાબુન અન્નલ્લાહુ ઘલય્કા

એક કિતાબ હૈ કે હમને તુમ્હારી તરફ ઉતારી

લિ-તુફિરજન નાસા મિનઝ મુલુમાતિ

કે તુમ લોગોંકો અન્ધેરિયોં સે

إِلَى الثَّوْرَةِ بِإِذْنِ رَبِّهِمْ إِلَى صِرَاطِ الْعَزِيزِ
الْحَمِيدِ ۝ اللَّهُ الَّذِي لَهُ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي
الْأَرْضِ ۚ وَوَيْلٌ لِّلْكَافِرِينَ مِنْ عَذَابٍ شَدِيدٍ ۝
الَّذِينَ يَسْتَحِبُّونَ الْحَيٰوةَ الدُّنْيَا عَلَى الْآخِرَةِ
وَيَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَيَبْغُونَهَا عِوَجًا ۚ
أُولَٰئِكَ فِي صُلٰىءٍ ۝ وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ رَّسُولٍ
إِلَّا بِلِسَانٍ قَوْمِهِ لِيُبَيِّنَ لَهُمْ فَيُضِلَّ اللَّهُ مَنْ يَشَاءُ
وَيَهْدِي مَنْ يَشَاءُ ۚ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ وَلَقَدْ
أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا أَنْ أَخْرِجْ قَوْمَكَ مِنَ الظَّالِمٰتِ
إِلَى الثَّوْرَةِ ۚ وَذَكَرْهُمْ بِآيٰتِ اللَّهِ ۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ
لَآيٰتٍ لِّكُلِّ صَبَّارٍ شَكُورٍ ۝ وَإِذْ قَالَ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ
إِذْ كُرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ عَلَيْكُمْ ۖ إِذْ أَنْجَاكُمْ مِنْ آلِ
فِرْعَوْنَ يَسُومُونَكُمْ سُوءَ الْعَذَابِ وَيَدْعُونَ

आभि-रति व यसुद्धना अन सभीलिल्लाहि व यगू-नहा ध-पजा ७

और अल्लाहकी राहसे रोकते और उसमें कज याहते हैं

उलाधका ही दलालिम जर्ध ० वमो अरसना मिर रसूलिन धला

वो दूर की गुमराही में हैं. और हमने उर रसूल

भि-लिसानि क्वमिही लि-युजयिना लहुम ७ इ-युदिल्लुल्लाहु मंय

उसकी कौम ही की जमानमें भेजा के वो उन्हें साइ बताओ फिर अल्लाह गुमराह करता है जिसे

यशाठि व यहदी मंय यशाथ ७ वहुवल अमीगुल हकीम ० व ल-इद

याहे और वो राह दिभाता है जिसे याहे, और वही ईज्जत हिकमत वाला है. और बेशक

अरसना मूसा भि-आयातिनो अन अजिज क्व-मका मिनग मुलुमाति

हमने मूसा को अपनी निशानियां देकर भेजा के अपनी कौमको अन्धेरियोंसे

धलन नूरि ७ व मकिरहुम भि-अय्यामिल्लाह ७ धन्ना ही गालिका

उजाले में ला और उन्हें अल्लाह के दिन याद दिला, बेशक इसमें

ल-आयातिल लि-कुलि सज्जारिन शकूर ० व धम काला मूसा

निशानियां हैं उर भणे सभ्र वाले शुक्रगुजार को. और जब मूसा ने

लि-क्वमिहिम्-कुरू निर-मतल्लाहि अलयकुम धम अन्जकुम मिन

अपनी कौमसे कहा याद करो अपने उपर अल्लाहका ओहसान जब उसने तुम्हें

आलि फिरअपना यसूमू-नकुम सूअल अमाभि व युगजिहूना

फिरऔन वालों से नज्जत दी जो तुमको बुरी मार देते थे और

أَبْنَاءَكُمْ وَيَسْخَبُونَ نِسَاءَكُمْ فِي ذَلِكَ بَلَاءٌ مِنْ رَبِّكُمْ عَظِيمٌ ۝ وَإِذْ تَأَذَّنَ رَبُّكُمْ لَئِنْ شَكَرْتُمْ لَأَزِيدَنَّكُمْ وَلَئِنْ كَفَرْتُمْ إِنَّ عَذَابِي لَشَدِيدٌ ۝ وَقَالَ مُوسَىٰ إِنَّ تَكْفُرًا أَنْتُمْ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا ۖ فَإِنَّ اللَّهَ لَغَنِيٌّ حَمِيدٌ ۝ أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَبُوءُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ قَوْمِ نُوحٍ وَعَادٍ وَثُودَةَ ۖ وَالَّذِينَ مِنْ بَعْدِهِمْ ۖ لَا يَعْلَمُهُمْ إِلَّا اللَّهُ ۖ جَاءَتْهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَرَدُّوا أَيْدِيَهُمْ فِي أَفْوَاهِهِمْ وَقَالُوا إِنَّا كَفَرْنَا بِمَا أُرْسِلْتُمْ بِهِ وَإِنَّا لَفِي شَكٍّ مِمَّا تَدْعُونَنَا إِلَيْهِ مُرِيبٍ ۝ قَالَتْ رُسُلُهُمْ أَفِي اللَّهِ شَكٌّ فَاطِرِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ يَدْعُوكُمْ لِيَغْفِرَ لَكُمْ ۖ مِنْ ذُنُوبِكُمْ وَيُخَوِّدَكُمْ إِلَىٰ أَجَلٍ مُسَمًّى ۖ قَالُوا إِنَّا أَنْتُمْ إِلَّا بَشَرٌ مِثْلُنَا ۖ

ثُرَيَّدُونَ

મરલ

૩૫૭

અબ્ના-અકુમ વ **યરતહ્યૂના**
તુમ્હારે બેટોંકો ઝબહ કરતે ઓર
નિસા-અકુમ ૫ વ **ફી મ્હાલિકુમ**
તુમ્હારી બેટિયાં ઝિન્દા રખતે, ઓર ઇસમેં
બલોઉમ મિર રઘ્બિકુમ અમ્મીમ ૦
તુમ્હારે રબ કા બળા ફઝલ હુવા
વ ઘમ તઅમ્-મના રઘ્બુકુમ લ-ઇન
ઓર યાદ કરો જબ તુમ્હારે રબ ને સુના દિયા કે અગર
શ-ફરતુમ લ-અમ્મીદન્નકુમ વ લ-ઇન
એહસાન માનોગે તો મેં તુમ્હેં ઓર દૂંગા ઓર અગર
ફ-ફરતુમ ઇન્ના અમ્માબી લ-શદીદ ૦
નાશુકરી કરો તો મેરા અઝાબ સખ્ત હૈ.

વ ફાલા મૂસો ઇન તફ્ફરૂ અન્તુમ વ મન ફિલ અરદ્દિ જમીઅન ૧
ઓર મૂસા ને કહા અગર તુમ ઓર ઝમીન મેં જીતને હેં સબ કાફિર હો જાઓ
ફ-ઇન્નલ્લાહ લ-ગનિયુન હમીદ ૦ **અલમ યર-તિકુમ ન-બઉલ લમ્મીના**
તો બેશક અલ્લાહ બે-પરવા સબ ખૂબિયોં વાલા હૈ. કયા તુમ્હેં ઉનકી ખબરેં ન આઈ જો
મિન ફઘ્લિકુમ ફવ્મિ નૂહિવ્ વ આદિવ્ વ સમૂદ ૬ **વલ્લમ્મીના મિમ**
તુમસે પેહલે થી નૂહ કી કૌમ ઓર આદ ઓર સમૂદ, ઓર જો
બર-દિહિમ ૬ **લા યર-લમુહુમ ઇલ્લલ્લાહ** ૫ **જા-અલ્હુમ રુસુલુહુમ બિલ**
ઉનકે બાદ હુએ ઉન્હેં અલ્લાહ હી જાને, ઉનકે પાસ ઉનકે રસૂલ
બયિનાતિ ફ-રદ્-દૂ અયદિ-યહુમ ફો અફવાહિહિમ વ ફાલૂ ઇન્ના
રૌશન દલીલેં લેકર આએ તો વો અપને હાથ અપને મુંહ કી તરફ લે ગએ ઓર બોલે હમ
ફ-ફરના બિમો ઉરસિલ્તુમ બિહી વ ઇન્ના લફી શક્કિમ મિમ્મા તદઉ-નનો
મુન્કિર હેં ઉસકે જો તુમ્હારે હાથ ભેજા ગયા ઓર જિસ રાહ કી તરફ હમેં બુલાતે હો ઉસમેં હમેં વો શક હૈ કે બાત
ઇલય્હિ મુરીબ ૦ **ફાલત રુસુલુહુમ અ-ફિલ્લાહિ શક્કુન ફાતિરિસ સમાવાતિ**
બુલને નહીં દેતા. ઉનકે રસૂલોંને કહા કયા અલ્લાહમેં શક હૈ આસમાન
વલ અર્દ ૫ **યદઉકુમ લિ-યરિફરા લકુમ મિન મુનૂબિકુમ વ યુઅજ્જિ-રકુમ**
ઓર ઝમીન કા બનાવે વાલા, તુમ્હેં બુલાતા હૈ કે તુમ્હારે કુછ ગુનાહ બખ્શે ઓર
ઇલો અ-જલિમ મુસમ્મા ૫ **ફાલૂ ઇન અન્તુમ ઇલ્લા બ-શરુમ મિરલુના** ૫
મૌત કે મુકરર વક્ત તક તુમ્હારી ઝિન્દગી બે-અઝાબ કાટ દે, બોલે તુમ તો હમીં જૈસે આદમી હો.

صَدِيدٌ ۞ يَتَجَرَّعُهُ وَلَا يَكَادُ يُسِيغُهُ وَيَأْتِيهِ
الْمَوْتُ مِنْ كُلِّ مَكَانٍ وَمَا هُوَ بِمَيِّتٍ ۞ وَمِنْ
وَرَاءِهِ عَذَابٌ غَلِيظٌ ۞ مَثَلُ الَّذِينَ كَفَرُوا
بِرَبِّهِمْ أَعْمَالُهُمْ كَرَمَادٍ اشْتَدَّتْ بِهِ الرِّيحُ فِي
يَوْمٍ عَاصِفٍ ۞ لَا يَقْدِرُونَ مِمَّا كَسَبُوا عَلَى شَيْءٍ ۞
ذَلِكَ هُوَ الصَّلَاةُ الْبَعِيدُ ۞ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ خَلَقَ
السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ بِالْحَقِّ ۞ إِنَّ يَئِشًا يَذْهَبُكُمْ
وَيَأْتِي بِخَلْقٍ جَدِيدٍ ۞ وَمَا ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ
بِعَزِيزٍ ۞ وَبَرَّرُوا اللَّهَ جَمِيعًا فَقَالَ الضُّعَفَاءُ لِلَّذِينَ
اسْتَكْبَرُوا إِنَّا كُنَّا لَكُمْ تَبَعًا فَهَلْ أَنْتُمْ مُغْنُونَ
عَنَّا مِنَ عَذَابِ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۞ قَالُوا لَوْ هَدَّيْنَا
اللَّهُ لَهْدَيْنَكُمُ سَوَاءٌ عَلَيْنَا أَجْرَعْنَا أَمْ صَبَرْنَا مَا
لَنَا مِنْ مَّحِيصٍ ۞ وَقَالَ الشَّيْطَانُ لَبَّاقِصِي

સદીદ ૦ ય-તજર્-રઉહૂ વલા યકાદુ
પિલાયા જાએગા. બ-મુશ્કિલ ઉસકા થોળા થોળા ઘૂંટ લેગા ઓર ગલેસે
યુસીગુહૂ વ યર-તીહિલ મવ્તુ મિન
નીચે ઉતારને કી ઉમ્મીદ ન હોગી ઓર ઉસે
ફુલ્લિ મકાનિવ્ વમા હુવા બિ-મય્યિત ૫
હર તરફ સે મૌત આએગી, ઓર મરેગા નહીં,
વ મિવ્ વરોઇહી અઝાબુન ગલીઝ ૦
ઓર ઉસકે પીછે એક ગાળડા અઝાબ.
મ-સલુલ લમીના ફ-ફૂ બિ-રબ્બિહિમ
અપને રબસે મુન્કિરોંકા હાલ ઐસા હે
અર-માલુહુમ ફ-રમાદિનિશ-તદ્-દત
કે ઉનકે કામ હેં જૈસે રાખ કે ઉસપર હવા કા સખ્ત

બિહિર રીહુ ફી યવ્મિન આસિફ ૫ લા યફદિરૂના મિમ્મા ફ-સબૂ
ઝોંકા આયા આંધી કે દિન મેં, સારી કમાઈ મેંસે કુછ હાથ ન લગા,

અલા શૈઅ્ ૫ ઝાલિકા હુવદ દલાલુલ બર્ધદ ૦ અ-લમ તરા
યહી હે દૂર કી ગુમરાહી. કયા તૂને ન દેખા

અન્નલાહા ખ-લફસ સમાવાતિ વલ અર્દા બિલ હક્ક ૫
કે અલ્લાહને આસમાન ઓર ઝમીન હક્ક કે સાથ બનાએ,

ઇઅ્ યશઅ્ યુમ્હિબ્કુમ વ યર-તિ બિ-ખલ્કિન જદીદ ૦ વમા ઝાલિકા
અગર ચાહે તો તુમ્હેં લે જાએ ઓર એક નઈ મખ્લૂક લે આએ. ઓર યે

અલલાહિ બિ-અમીઝ ૦ વ બ-રમૂ લિલ્લાહિ જમીઅન ફ-ફાલદ
અલ્લાહ પર કુછ દુશ્વાર નહીં. ઓર સબ અલ્લાહકે હુઝૂર અલાનિયા હાઝિર હોંગે તો

દુ-અફાઉ લિલ્લામીનસ્-તકબરૂ ઇન્ના ફુન્ના લફુમ ત-બ-અન ફ-હલ
જો કમઝોર થો બળાઈ વાલોંસે કહેંગે હમ તુમ્હારે તાબેઅ થો કયા

અન્તુમ મુરૂનૂના અન્ના મિન અઝાબિલ્લાહિ મિન શૈઅ્ ૫ ફાલૂ લવ્
તુમસે હો સકતા હે કે અલ્લાહ કે અઝાબ મેંસે કુછ હમપર સે ટાલ દો, કહેંગે

હદાનલાહુ લ-હદયનાફુમ ૫ સવોઉન અ-લયનો અ-જમિરનો અમ
અલ્લાહ હમેં હિદાયત કરતા તો હમ તુમ્હેં કરતે, હમપર એક સા હે ચાહે બે-કરારી કરેં યા

સ-બર્ના મા લના મિમ મહીસ ૦ વ ફાલશ શય્તાનુ લમ્મા ફુદિયલ
સબ્ર સે રહેં હમેં કહીં પનાહ નહીં. ઓર શૈતાન કહેગા જબ ફૈસલા હો ચુકેગા

الْأَمْرَ إِنَّ اللَّهَ وَعَدَكُمْ وَعَدَ الْحَقِّ وَوَعَدْتُكُمْ
فَأَخْلَفْتُكُمْ وَمَا كَانَ لِي عَلَيْكُمْ مِنْ سُلْطَانٍ إِلَّا
أَنْ دَعَوْتُكُمْ فَاسْتَجَبْتُمْ لِي فَلَا تَلُومُونِي وَلَا تُؤْمِنُوا
أَنْفُسَكُمْ مَا أَنَا بِمُصْرِخِكُمْ وَمَا أَنْتُمْ بِمُصْرِخِي إِنْ
كَفَرْتُمْ بِمَا أَشْرَكْتُمُونِ مِنْ قَبْلُ إِنَّ الظَّالِمِينَ
لَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ وَأَدْخِلَ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا
الصَّالِحَاتِ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ
فِيهَا بِإِذْنِ رَبِّهِمْ تَحِيَّتُهُمْ فِيهَا سَلَامٌ ۝ أَلَمْ تَرَ
كَيْفَ ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا كَلْبَةً طَيِّبَةً كَشَجَرَةٍ
طَيِّبَةٍ أَصْلُهَا ثَابِتٌ وَفَرْعُهَا فِي السَّمَاءِ ۝
تُؤْتِي أُكْلَهَا كُلَّ حِينٍ بِإِذْنِ رَبِّهَا وَيَضْرِبُ اللَّهُ
الْأَمْثَالَ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ۝ وَمَثَلُ
كَلْبَةٍ خَبِيثَةٍ كَشَجَرَةٍ خَبِيثَةٍ اجْتُثَّتْ مِنْ

فُوقِ الْأَرْضِ

مَثَلًا

360

અમુ ઇબ્રાહીમ વ-અ-દકુમ વચ-દલ

બેશક અલ્લાહ ને તુમકો સચ્ચા વા'દા દિયા થા

હક્કિ વ વઅત્તુકુમ ફ-અબલફતુકુમ

ઔર મૈને જો તુમકો વા'દા દિયા થા વો મૈને તુમસે ઝૂટા ક્રિયા,

વમા કાના લિયા અ-લય્કુમ મિન

ઔર મેરા તુમપર કુછ કાબૂ ન થા

સુલ્તાનિન ઇલ્લો અન દ-અવ્તુકુમ

મગર યહી કે મૈને તુમકો બુલાયા

ફસ્તજબ્તુમ લી હ ફલા તલૂમૂની વ લૂમૂ

તુમને મેરી માન લી, તો અબ મુઝપર ઇલ્લામ ન રખ્ખો

અન્ફુ-સકુમ મો અના બિ-મુસ્રિખિકુમ

ખુદ અપને ઉપર ઇલ્લામ રખ્ખો, ન મૈં તુમહારી ફરિયાદ કો પહુંચ સકું

વમો અન્તુમ બિ-મુસ્રિખિય ઇબ્રાહીમ ફ-ફસ્તુ બિમો અશરફતુમૂનિ મિન

ન તુમ મેરી ફરિયાદ કો પહુંચ સકો, વો જો પેહલે તુમને મુઝે શરીક ઠેહરાયા થા મૈં ઉસસે

ફબ્લ ઇબ્રાહીમ ઝાલિમીના લહુમ અઝાબુન અલીમ વ ઉદખિલલ લઝીના

સખ્ત બેઝાર હું બેશક ઝાલિમોં કે લિએ દર્દનાક અઝાબ હે. ઔર વો જો

આ-મનૂ વ અમિલુસ સાલિહાતિ જન્નાતિન તજરી મિન તહતિહલ અન્હારુ

ઈમાન લાએ ઔર અચ્છે કામ કિએ વો બાગોંમેં દાખિલ કિએ જાએંગે જિનકે નીચે નહરેં રવાં

ખાલિદીના ફીહા બિ-ઇઝ્નિ રઘિબિમ તહિય્યતુહુમ ફીહા સલામ

હમેશા ઉનમેં રહેં અપને રબ કે હુકમ સે, ઉસમેં ઉનકે મિલતે વક્ત કા ઇકરામ સલામ હે.

અ-લમ તરા કય્ફા દ-રબલ્લાહુ મ-સલન કલિ-મતન તયિ-બતન

કયા તુમને ન દેખા અલ્લાહને કેસી મિસાલ બયાન ફરમાઈ પાકીઝા બાત કી

ફ-શ-જ-રતિન તયિ-બતિન અસ્લુહા સાબિતુવ્ વ ફરઉહા ફિસ સમાઅ

જૈસે પાકીઝા દરખ્ત જિસકી જળ કાઈમ ઔર શાખેં આસમાન મેં.

તુચ-તી ઉફુ-લહા ફુલ્લા હીનિમ બિ-ઇઝ્નિ રઘિબિહા વ યદરિબુલ્લાહુલ

હર વક્ત અપના ફલ દેતા હે અપને રબ કે હુકમ સે, ઔર અલ્લાહ

અમ્સાલા લિન્નાસિ લ-અલ્લહુમ ય-તઝક-કરૂન વ મ-સલુ

લોગોં કે લિએ મિસાલેં બયાન ફરમાતા હે કે કહીં વો સમઝેં. ઔર

કલિ-મતિન ખબી-સતિન ફ-શ-જ-રતિન ખબી-સતિનિજતુસ્સત મિન

ગન્દી બાત કી મિસાલ જૈસે એક ગન્દા પેળ કે ઝમીન કે ઉપર સે કાટ દિયા ગયા

فَوَقَى الْأَرْضَ مَالَهَا مِنْ قَرَارٍ ۖ يُخَبِّتُ اللَّهُ الَّذِينَ
 آمَنُوا بِالْقَوْلِ الثَّابِتِ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَفِي الْآخِرَةِ
 وَيُضِلُّ اللَّهُ الظَّالِمِينَ ۖ وَيَفْعَلُ اللَّهُ مَا يَشَاءُ ۖ
 أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ بَدَّلُوا نِعْمَتَ اللَّهِ كُفْرًا
 وَاحْتَلَوْا قَوْمَهُمْ دَارَ الْبَوَارِ ۖ جَهَنَّمَ يَصْلَوْنَهَا
 وَبِئْسَ الْقَرَارُ ۖ وَجَعَلُوا لِلَّهِ أَنْدَادًا لِيُضِلُّوا عَنْ
 سَبِيلِهِ ۖ قُلْ تَمَتَّعُوا فَإِنَّ مَصِيرَكُمْ إِلَى النَّارِ ۖ قُلْ
 لِعِبَادِيَ الَّذِينَ آمَنُوا يُقِيمُوا الصَّلَاةَ وَيُنْفِقُوا
 مِمَّا رَزَقْنَاهُمْ سِرًّا وَعَلَانِيَةً مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَ
 يَوْمٌ لَا يَنْبَغُ فِيهِ وَلَا خُلَّةٌ ۖ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ
 السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ وَأَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَخْرَجَ
 بِهِ مِنَ الشَّجَرِ رِزْقًا لَكُمْ ۖ وَسَخَّرَ لَكُمُ الْفُلُكَ
 لِتَجْرِيَ فِي الْبَحْرِ بِأَمْرٍ ۖ وَسَخَّرَ لَكُمُ الْأَنْهَارَ ۖ

وَسَخَّرَ لَكُمُ

مَزَل

५६१

इप्किल अरदि मा लहा भिन इरार ०
 अब उसे कोई क्याम नहीं।

युसुब्बिलुल्लाहुल लगीना आ-मनू भिल
 अल्लाह साबित रખता है ईमान वालोंको

इप्लिस साभिति हिल हयातिह दुन्या
 इस बात पर दुनियाकी जिन्दगी में

व हिल आभिरह ८ व युद्दिलुल्लाहु
 और आभिरत में, और अल्लाह

ग़ालिमीना ९ व यइ-अलुल्लाहु मा
 अविमोंको गुमराह करता है. और अल्लाह जो चाहे करे.

यशाअ ० अ-लम तरा धलल लगीना
 क्या तुमने उन्हें न देखा जिन्होंने

अह-दलू निर-मतल्लाहि इर-रंप् व अहल्लू इप्-महुम दारल जवार ०
 अल्लाहकी ने'मत नाशुकरी से बदल दी और अपनी कौमको तबाही के घर ला उतारा.

जहन्नम ८ यरलप्-नहा ७ व भिर-सल इरार ० व ज-अलू लिल्लाहि
 वो जो दीजा है उसके अन्दर जाओगे और क्या ही बुरी ठहरने की जगह. और अल्लाह के लिये

अन्दादल लि-युद्दिल्लू अल सजीलिह ७ इल तमततु डि इ-धन्ना मसी-रकुम
 बराबर वाले ठहराओ के उसकी राहसे बेहकाई, तुम इरमाओ कुछ भरत लो के तुम्हारा अन्जाम

धलन नार ० इल लि-धलादियल लगीना आ-मनू युद्दीमुस सलाता
 आग है. मेरे उन बन्दोंसे इरमाओ जो ईमान लाओ के नमाज काईग रખें

व युन्दिफू भिम्मा रमइनाहुम सिरंप् व अलानि-यतम भिन इब्लि अंय्
 और हमारे दिओ मेंसे कुछ हमारी राहमें छुपे और आहिर भर्य करें उस दिनके

यर-तिया यप्मुल ला अय्ठिन इहि वला भिलाल ० अल्लाहुल लगी
 आने से पेहले जिसमें न सौदागरी होगी न याराना. अल्लाह है जिसने

अ-लइस समावाति वल अरद १ व अल्ला भिनस समाध माअन इ-अप्परा
 आसमान और जमीन बनाओ और आसमान से पानी उतारा तो

भिही भिनस स-मराति रिम्कल लकुम ८ व सप्परा लकुमुल इल्का
 उससे कुछ इल तुम्हारे जानेको पैदा किये, और तुम्हारे लिये कश्ती को मुसप्पर किया

लि-तजिरया हिल अहरि भि-अम्हिह ८ व सप्परा ल-कुमुल अन्हार ०
 के उसके हुकम से दरिया में चले, और तुम्हारे लिये नदियां मुसप्पर की.

وَسَخَّرَ لَكُمُ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ دَائِبَيْنِ ۖ وَسَخَّرَ لَكُمُ
الَّيْلَ وَالنَّهَارَ ۖ وَاتَّكُم مِّن كُلِّ مَا سَأَلْتُمُوهُ ۚ وَإِن
تَعُدُّوا نِعْمَتَ اللَّهِ لَا تَحْصُوهَا ۚ إِنَّ الْإِنسَانَ لَكَفُورٌ
كَفَّارٌ ۖ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ رَبِّ اجْعَلْ هَذَا الْبَلَدَ
إِمَامًا وَاجْنُبْنِي وَبَنِيَّ أَن نَّعْبُدَ الْأَصْنَامَ ۖ رَبِّ
إِنِّهُنَّ أَضْلَلْنَ كَثِيرًا ۚ مِّنَ النَّاسِ ۚ فَمَن تَبِعَنِ
فَأَنَّهُ مِثِّيَّ ۖ وَمَن عَصَانِي فَإِنَّكَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۝
رَبَّنَا إِنِّي أَسْكَنْتُ مِنْ ذُرِّيَّتِي بُيُوتًا مِّنْ ذُرِّيَّتِي
عِنْدَ بَيْتِكَ الْمُحَرَّمِ ۖ رَبَّنَا لِيُقِيمُوا الصَّلَاةَ فَاجْعَلْ
أَفْئِدَةً مِّنَ النَّاسِ تَهْوِي إِلَيْهِمْ وَارْزُقْهُمْ مِّنَ
الثَّمَرَاتِ لَعَلَّهُمْ يَشْكُرُونَ ۝ رَبَّنَا إِنَّكَ تَعْلَمُ
مَا نَخْفَىٰ وَمَا نُعْلِنُ ۚ وَمَا يَخْفَىٰ عَلَى اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ
فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ ۝ الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي

વ સાખ્ખરા લ-કુમુશ શમ્શા વલ ક-મરા
 और तुम्हारे दिओ सूरज और चांद मुसख्खर दिओ

દાઘબૈન દ વ સખ્ખરા લ-કુમુલ લય્લા
જોબરાબર ચલ રહેહેં, ઔર તુમ્હારે લિએ રાત

પળ્લહાર ઠ વ આતાકુમ મિન કુલિ મા
 ઔર દિન મુસખ્ખર કિએ ઔર તુમ્હે બહુત કુદ

સ-અલ્લુમૂહ ૫ વ ઇન તઉદ્દૂ
મુંહ માંગા દિયા, ઔર અગર અલ્લાહકી ને'મતે ગિનો

નિર-મતલાહિ લા તુહસૂહા ૫ ઇબ્નલ
તો શુમાર ન કર સકોગે, બેશક

ઇન્સાના લ-ઝલૂમુન ફર-ફાર ૦ વ ઘઝ
આદમી બળા ઝલિમ નાશુકરા હૈ. ઔર યાદ કરો

કાલઃ ઇબ્રાહીમુ રબ્બિજ્જઅલ હામ્લ બ-લદા આમિનં વજનુબી વ

જબ ઈબ્રાહીમ ને અર્જ કી અય મેરે રબ ઈસ શહેર કો અમાન વાલા કરદે ઔર મુઝે ઔર

બનિયા અન નર-બુદલ અસ્નામ ૐ રઘિ ઇન્નહુન્ના અદ્-લન્ના
 મેરે બેટોંકો બુતોંકે પૂજને સે બયા. અય મેરે રબ બેશક બુતોંને

કસીરમ મિનન નાસ હ ફ-મન તબિ-અની ફ-ધળ્લહૂ મિળ્ની હ વ મન
બહુત લોગ બેહકા દિએ, તો જિસને મેરા સાથ દિયા વો તો મેરા હૈ ઓર જિસને

અસાની ફ-ધળકા ગફરુર રહીમ ○ રબબનો ધળો અસ્કન્તુ મિન
મેરા કહા ન માના તો બેશક તૂ બખ્શને વાલા મેહરબાન હે. અય મેરે રબ મૈને

મુરચિયતી બિ-વાદિન ગયરિ મી મરઘન ઘન્ટા બયતિકલ મુહર-રમિ ૪
અપની કુછ ઔલાદ એક નાલે મેં બસાઈ જિસમેં ખેતી નહીં હોતી તેરે હુરમત વાલે ઘર કે પાસ

૨૦૬ના લિ-યુફીમુસ સલાતા ફજઅલ અફઘ-દતમ મિનન નાસિ તહવી
અય મેરે રબ ઇસલિએ કે વો નમાઝ કાઈમ રખ્ખે તો તૂ લોગોંકે કુછ દિલ

ઘલચ્છિમ વરગુહુમ મિનસ સ-મરાતિ લ-અલ્લહુમ યશ્કુરૂન ○ ૨૬૭નાં
 ઉનકી તરફ માઈલ કરદે ઔર ઉન્હેં કુછ ફલ ખાને કો દે શાયદ વો એહસાન માને. અયહમારેઅબ

ધજ્ઞકા તરુ-લમુ મા ગુપ્તી વમા ગુરુ-લિન ૫ વમા યપ્તી અલલાહિ મિન
તૂ જાનતા જો હમ છુપાતે હૈં ઔર આહિર કરતે ઔર અલાહ પર કુછ છુપા નહીં

શાય્ઘન ફિલ અરાદિ વલા ફિસ સમાય્ ૦ અલ્હમ્દુ લિલ્લાહિલ લઝી
ઝમીન મેં ઔર ન આસમાન મેં. સબ ખૂબિયાં અલ્લાહ કો જિસને

وَهَبْ لِي عَلَى الْكِبَرِ إِسْمَاعِيلَ وَإِسْحَاقَ ۖ إِنَّ رَبِّي لَسَمِيعُ الدُّعَاءِ ۝ رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ ۚ وَرَبِّ اجْعَلْ رِزْقِي رِزْقًا وَتَقَبَّلْ دُعَاءَ رَبِّ تَابَا غُفْرَانِي ۝ وَلِلَّهِ الدِّينُ وَلِلْمُؤْمِنِينَ يَوْمَ يَقُومُ الْحِسَابُ ۝ وَلَا تَحْسَبَنَّ اللَّهَ غَافِلًا عَمَّا يَعْمَلُ الظَّالِمُونَ إِنَّمَا يُؤَخِّرُهُمْ لِيَوْمٍ تَشْخَصُ فِيهِ الْأَبْصَارُ ۚ لَهُمْ فِيهَا مِهْطَعِينَ مُقْبِعِي رُءُوسِهِمْ لَا يَرْتَدُّ إِلَيْهِمْ طَرْفُهُمْ وَأَفْئِدَتُهُمْ هَوَاءٌ ۝ وَأَنْذِرِ النَّاسَ يَوْمَ يَأْتِيهِمُ الْعَذَابُ فَيَقُولُ الَّذِينَ ظَلَمُوا رَبَّنَا أَخْرِجْنَا إِلَى أَجَلٍ قَرِيبٍ نَسْتَجِبْ دَعْوَتَكَ وَنَتَّبِعِ الرَّسُولَ ۖ أَوَلَمْ تَكُنْ تُنَادِي الْقَوْمَ مِنْ قَبْلُ مَالَكُمْ مِنْ زَوَالٍ ۝ وَسَكَنتُمْ فِي مَسْكِنِ الَّذِينَ ظَلَمُوا أَنْفُسَهُمْ وَتَبَيَّنَ لَكُمْ كَيْفَ فَعَلْنَا بِهِمْ وَضَرَبْنَا لَكُمُ الْآمَثَالَ ۝ وَقَدْ مَكَرُوا

مَكْرُهُمْ

مَكْرُهُمْ

363

व-हमा ली अ-लल कि-जरि धरुमाधला
मुझे बुझाये में इसमाधल

व धरुहाक ७ धरुना ररुनी ल-समीउद
व इसहाक दिअ, बेशक मेरा रभ हुआ सुननेवाला है.

हुआ ० ररुनिअरुनी मुकीमस सलाति
अय मेरे रभ मुझे नमाज का काधम करनेवाला रभ

व मिन मुरुरियती ७ ररुनना व तकरुनल
और कुछ मेरी औलाद को, अय उमारे रभ और उमारी

हुआ ० ररुननरुनर-ली व
हुआ सुन ले. अय उमारे रभ मुझे बप्श दे और

लि-वालिदरुया व लि ल मुर-मिनीना
मेरे मां बाप को और सब मुसलमानोंको

यव्मा यरुमुल हिसाब ० वला तह-सभन्नलाहा गाहिलन अम्मा
जिसदिन हिसाब काधम होगी. और हरगिअ अल्लाहको बे-भबर न जानना

यर-मलुम ग़ालिमून ७ धरुनमा युअरुमिनुहम लि-यवमिन तरुभसु
आलिमों के काम से, उन्हें ढील नहीं दे रहा है मगर ऐसे दिन के लिअे

हीहिल अरुसार ० मुहतिरुना मुकिनरु रुगिसिहिम ला यरुतद-हु
जिसमें आंभें जुली की जुली रहे जअंगी. बे-तहाशा दौगते निकलेंगे अपने सर उठाये हुअे के उनकी

धलयहिम तरुहुम ७ व अरुध-दतुहुम हवाय् ० व अरुनरिन नासा
पलक उनकी तरफ़ लौटती नहीं, और उनके दिलोंमें कुछ सकत न होगी. और लोगोंको

यव्मा यर-तीहिमुल अरुगु रु-यरुलुल लगीना ग़-लमू ररुननो अरुमिरुनो
उस दिनसे उराओ जब उनपर अजाब आयेगा तो आलिम कहेंगे अय उमारे रभ

धलो अ-जलिन रुरीमिन ७ नुजिअ दर-व-तका व नत्तभिधर रुसुल ७
थोणी दर उमें मोडलत दे, के हम तेरा बुलाना मानें और रसूलोंकी गुलामी करें,

अ-वलम तरुनू अरुसम्तुम मिन रुलु मा लरुम मिन ग़वाल ० व
तो क्या तुम पेहले कसम न जा युके थे के उमें दुनिया से कहीं उटकर जाना नहीं. और

स-रुनुम ही मसाकिनल लगीना ग़-लमू अरुहु-सहुम व तभरुयना लरुम
तुम उनके घरोंमें बसे जिन्होंने अपना बुरा किया था और तुमपर पूज जुल गया

रुय्हा रु-अरुना ग़िहिम व दरुना ल-रुमुल अरुसाल ० व रुद म-रुद
हमने उनके साथ कैसा किया और हमने तुम्हें मिसालें देकर बता दिया. और बेशक वो

हमने उनके साथ कैसा किया और हमने तुम्हें मिसालें देकर बता दिया. और बेशक वो

مَكْرَهُمْ وَعِنْدَ اللَّهِ مَكْرَهُمْ وَإِنْ كَانَ مَكْرَهُمْ
لَيَرْوُلَ مِنْهُ الْجِبَالُ ۖ فَلَا تَحْسَبَنَّ اللَّهَ مُخْلِفًا
وَعْدَهُ ۚ رُسُلَهُ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ ذُو انتِقَامٍ ۚ يَوْمَ
تَبْدَلُ الْأَرْضُ غَيْرَ الْأَرْضِ وَالسَّمَوَاتُ وَبَرُرُوا
لِلَّهِ الْوَاحِدِ الْقَهَّارِ ۚ وَتَرَى الْمُجْرِمِينَ يَوْمَئِذٍ
مُقَرَّنِينَ فِي الْأَصْفَادِ ۖ سَرَابِطُهُمْ مِّنْ قِطْرٍ
وَتَغْشَىٰ وُجُوهُهُمُ النَّارُ ۚ لِيَجْزِيَ اللَّهُ كُلَّ
نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ ۖ إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۚ
هَذَا بَلْعٌ لِلنَّاسِ وَلِيُنذِرُوهُ بِهِ وَيَعْلَمُوا أَنَّمَا
هُوَ إِلَهُ وَاحِدٌ ۚ وَلِيَذَّكَّرَ أُولُوا الْأَلْبَابِ ۚ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝
الْحَجْرُ ۝ تِلْكَ آيَاتُ الْكِتَابِ وَقُرْآنٍ مُّبِينٍ ۝

मक-रहुम व धन्दल्लाहि मकरुहुम ७
अपना सा दांव यले और उनका दांव अल्लाहके काबूमें है,
व धन काना मकरुहुम लि-तमूला मिन्हुल
और उनका दांव कुछ ऐसा न था जिससे ये
जिबाल ० इला तह-सभन्नल्लाहि
पड़ाणटल जायें तो डरगिज भयाल न करना के अल्लाह
मुफिलह वर-दिही रुसुलह ७
अपने रसूलोंसे वा'दा भिलाइ करेगा,
धन्नल्लाहि अमीमुन मुन्तिकाम ०
बेशक अल्लाह गालिब है बदला लेनेवाला.
यवमा तुभद्-दलुल अरहु गय्रल अरदि
जिसदिन बदल दी जायेगी जमीन इस जमीन के सिवा

वरसमावातु व भ-रमू लिब्लाहिल वाहिदिल इहहार ०
और आसमान और लोग सब निकल भगे होंगे अक अल्लाहके सामने जो सबपर गालिब है.

व तरल मुजिरमीना यव-मधम्म मुकर-रनीना इल अरहाद ०
और उसदिन तुम मुजरिमोंको दबाओगे के बेणियोंमें अक दूसरे से जुणे होंगे.

सराबीलुहुम मिन इतिरानिप् व तगशा पुजू-हहुमुन नार ०
उनके कुरते राख के होंगे और उनके येडरे आग ढांप लेगी.

लि-यज्जियल्लाहु कुल्ला नइसिम मा इ-समत ७ धन्नल्लाहा सरीउल
इसलिये के अल्लाह डर जान को उसकी कमाई का बदला दे बेशक अल्लाहको हिसाब करते

हिसाब ० हागा बलागुल लिन्नासि व लि-युम्नरू मिही व लि-यय-लमू
कुछ देर नहीं लगती. ये लोगोंको हुकम पहुंचाना है और इसलिये के वो इससे डराये जायें और

अन्नमा हुवा धलाहुप् वाहिदुप् व लि-यम्-मक-करा उलुल अल्लाभ ०
इसलिये के वो जान लें के वो अक ही मा'बूद है और इसलिये के अकल वाले नसीहत मानें.

सूरतुल धिजर
मक्की है, इसमें ८८ आयतें और ६ रुकूअ हैं
भिस्मिल्ला हिरहमा निर्हीम ०
अल्लाहके नामसे शुरू जो बहुत मेहरबान रहमवाला

अलिह-लाम-रा तिल्हा आयातुल किताबि व कुरआनिम मुबीन ०
ये आयतें हैं किताब और रौशन कुरआन की.